Title Code :- RAJHIN27855

दैनिक
द डेस्प्रिंग

@tdnnewsindia
@tdn_thedayspringnews
@the Dayspring news
@thedayspring
@tdnnewsindia

TDN THE DAYSPRING NEWS

वर्ष: 4 अंक:270 मूल्य: 3 रू पेज: 8 जयपुर, रविवार/ 26 अक्टूबर /2025 जयपुर से प्रकाशित (सीकर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर, सिरोही से प्रसारित)

अगले हफ्ते से देशभर में शुरू होगा मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण

नई दिल्ली

देशभर में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान अगले हफ्ते से शुरू होने जा रहा है। चुनाव आयोग (ईसी) अगले हफ्ते के मध्य तक इसके पहले चरण की आधिकारिक घोषणा कर सकता है। इस अभियान के तहत मतदाता सूची से मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने और नई प्रविष्टियां जोड़ने का काम होगा।

पहले चरण में 10 से 15 राज्य होंगे शामिल?

सूत्रों के मुताबिक, पहले चरण में 10 से 15 राज्यों में यह प्रक्रिया शुरू होगी। इनमें वे राज्य शामिल होंगे जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, जैसे असम, तमिलनाडु, पुद्दुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल। हालांकि, जिन राज्यों में इस समय स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां फिलहाल यह प्रक्रिया नहीं होगी, क्योंकि स्थानीय स्तर का प्रशासन चुनावी कामकाज में व्यस्त रहेगा। बिहार में हाल ही में यह विशेष पुनरीक्षण पूरा हुआ है। वहां अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की गई, जिसमें लगभग 7.42 करोड़ नाम दर्ज हैं। इस दौरान करीब 50 लाख नाम हटाए गए- जिनमें मृत मतदाता, घर बदलने वाले लोग या दोहराए गए नाम शामिल थे। हर राज्य में पिछली बार हुए एसआईआर को कटऑफ वर्ष माना जाएगा। जैसे बिहार में 2003 की सूची को आधार बनाया गया था, वैसे ही अन्य राज्यों में भी पिछली एसआईआर सूची को मानक के रूप में अपनाया जाएगा। ज्यादातर राज्यों में पिछला एसआईआर 2002 से 2004 के बीच हुआ था। अब वर्तमान मतदाताओं की तुलना उसी समय की सूची से की जाएगी ताकि यह पता चल सके कि कौन से नाम हटाने या सत्यापित करने की जरूरत है।

एसआईआर का उद्देश्य- अवैध मतदाताओं की पहचान

चुनाव आयोग और कुछ राजनीतिक दलों के अनुसार, इस विशेष पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य 'विदेशी अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची से हटाना' है। खासतौर पर बांग्लादेश और म्यांमार से आए लोगों की जांच की जाएगी। हालांकि, विपक्षी दलों ने इसे संप्रदायिक और भेदभावपूर्ण बताते हुए चिंता जताई है। उनका कहना है कि यह प्रक्रिया गरीब, विस्थापित और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

चुनाव आयोग की तैयारियां

चुनाव आयोग अब तक दो बार राज्य चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक कर चुका है। कई राज्यों ने अपनी पुरानी मतदाता सूचियां वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी हैं ताकि लोग उन्हें देखकर अपनी प्रविष्टियां जांच सकें। दिल्ली में भी 2008 की सूची वेबसाइट पर डाली गई है, जबकि उत्तराखंड ने 2006 की सूची जारी की है। इस राष्ट्रीय अभियान से चुनाव आयोग को उम्मीद है कि देशभर में मतदाता सूची अधिक शुद्ध और पारदर्शी बन सकेगी।

अंता उपचुनावः कांग्रेस ने कसी कमर, 36 नेताओं की मजबूत टीम के साथ अशोक चांदना को बनाया चुनाव प्रभारी

जयपुर

राजस्थान के अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है. पार्टी ने पूर्व मंत्री अशोक चांदना को चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है. पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा ने 36 नेताओं की मजबूत टीम बनाकर हर स्तर पर रणनीति तैयार की है. इस कदम से कांग्रेस उपचुनाव में जीत का परचम लहराने के लिए तैयार दिख रही है. कांग्रेस ने विधायक सीएल प्रेमी और चेतन पटेल कोलाना को चुनाव सह-प्रभारी नियुक्त किया है. पार्टी ने मंडल स्तर पर भी प्रभारियों की नियुक्ति की है. पुष्पेंद्र भारद्वाज को मांगरोल, पानाचंद मेघवाल, क्रांति तिवारी और अभिषेक चौधरी को अंता पालिका का जिम्मा सौंपा गया है. वीरेंद्र सिंह गुर्जर सीसवाली नगरपालिका के प्रभारी होंगे. बामला मंडल की कमान सुधींद्र मूंड, हरि सिंह मीणा, नेमीचंद मीणा और गिर्राज नागर को दी गई है. सत्येश शर्मा को कोयला मंडल, ओम नारायणीवाल और दुर्गा शंकर मीणा को बोहत मंडल की जिम्मेदारी मिली है. बमोरीकलां मंडल में शिवराज गुंजल और एडवोकेट महावीर मीणा को जिम्मा सौंपा गया है. सीसवाली मंडल की कमान बूंदी के पूर्व जिला प्रमुख महावीर मीणा और प्रवीण व्यास के हाथों में होगी. पलायथा मंडल में भैरू सिंह परिहार और बृजेश शर्मा नीटू, बिजोरा मंडल में शिवकांत नंदवाना और चंद्रसेन मीणा, बालदड़ा मंडल में रणदीप त्रिवेदी और दीनबंधु शर्मा, सोरसन मंडल में यशवीर शूरा और टीकम जैन प्रभारी बनाए गए हैं. महिला जनसंपर्क की जिम्मेदारी पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, विधायक शिखा मील बराला, महिला कांग्रेस की सारिका सिंह, पूनम गोयल, राखी गौतम और प्रीति शक्तावत को दी गई है. राजीव चौधरी ग्राम पंचायत प्रभारी होंगे, जबकि एमडी चौपदार और अमीन पठान माइनॉरिटी वोटरों को जोड़ने का काम करेंगे. संगठन महासचिव ललित तूनवाल ने ये आदेश जारी किए हैं. कांग्रेस की इस मजबूत रणनीति और नेताओं की सक्रियता से अंता उपचुनाव में मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है.

रूस में जनसंख्या संकट से निपटने के लिए सख्त उपाय कर रही पुतिन सरकार

नई दिल्ली।

रूस में जन्म दर लगातार गिरने और आबादी तेजी से बूढ़ी होने के कारण गंभीर जनसंख्या संकट पैदा हो गया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पिछले 25 वर्षों से इस चुनौती का सामना कर रहे हैं और इसे देश के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा मानते हैं। 1999 में रूस में जन्मे बच्चों की संख्या रिकार्ड स्तर पर गिर गई थी। आर्थिक सुधारों के चलते 2015 में यह संख्या बढ़कर 19.4 लाख तक पहुंची थी, लेकिन इसके बाद जन्म दर हर साल घटती चली गई। 2024 में सिर्फ 12.2 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जो 1999 के न्यूनतम स्तर के बराबर है। फरवरी 2025 में तो जन्म दर पिछले 200 वर्षों की सबसे कम मानी गई है। रूस की कुल आबादी 1990 में 14.76 करोड़ थी, जो अब घटकर 14.61 करोड़ रह गई है। इसमें क्राइमिया की जनसंख्या भी शामिल है, जिसे 2014 में रूस ने अवैध रूप से अपने में मिला लिया था। वहीं 55 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 1990 के मुकाबले लगभग 9 प्रतिशत बढ़ गई है, जो आबादी के तेजी से बूढ़े होने का संकेत है। राष्ट्रपति पुतिन ने अधिक बच्चों को जन्म देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें बड़े परिवारों को मुफ्त भोजन, आर्थिक सहायता और 10 या अधिक बच्चे पैदा करने वाली महिलाओं को "हीरो मदर'' का पदक देना शामिल है। पुतिन का कहना है कि रूस में बड़े परिवार होना एक परंपरा रही है जिसे फिर से अपनाया जाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन युद्ध, वित्तीय अनिश्चितता, बड़ी संख्या में युवाओं का देश छोड़ना और विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर विरोध जैसी वजहों से जन्म दर गिर रही है। इसके साथ ही सरकार ने गर्भपात और एलजीबीटीक्यू+ अधिकारों के प्रचार पर प्रतिबंध लगाकर तथाकथित "पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों'' को बढ़ावा देने की कोशिश की है। विश्लेषकों का कहना है कि सरकार महिलाओं को राष्ट्रवाद और देशभक्ति के नाम पर अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित कर रही है

भ्रष्टाचार, लापरवाही करने वालों पर सरकार की सख्ती, सरकार ने 210 कार्मिकों के खिलाफ की कार्रवाई

जयपुर

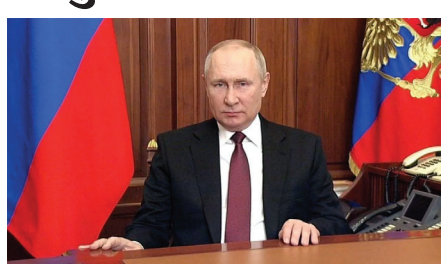

राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है. इसी दिशा में राजकीय कार्य के निष्पादन में लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार के दोषी कार्मिकों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है. राजकीय सेवाओं में अनुशासन और ईमानदारी के लिए सर्वोपरि स्थान सुनिश्चित करने के क्रम में राज्य सरकार द्वारा गत पौने दो वर्ष में कुल 210 कार्मिकों के विरुद्ध विभिन्न अनुशासनात्मक कार्यवाहियां की गई हैं. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि अधिकारी-कर्मचारी सरकार के शासन तंत्र की मुख्य धुरी हैं, जिनकी जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अहम भूमिका होती है. ऐसे में कार्मिक पूरे समर्पण भाव एवं सत्यनिष्ठा से काम करते हुए राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके. राज्य सरकार ने 20 माह के कार्यकाल में आपराधिक प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए अखिल भारतीय सेवा एवं राज्य सेवा के 66 अधिकारियों को निलंबित किया है. इसी प्रकार, आपराधिक प्रकरणों में दोष सिद्ध पाए जाने पर 6 अधिकारियों को पदच्युत एवं 9 अधिकारियों के विरुद्ध आजीवन शत प्रतिशत पेंशन रोकने संबंधी कार्रवाई की है. राजकीय सेवाओं में ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा सुनिश्चित करने के क्रम में राज्य सरकार ने 20 माह के कार्यकाल में ही 98 कार्मिकों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति प्रदान की है. वहीं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 2018 की धारा 17ए के तहत कुल 31 प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया है.

राजस्थान में हुआ बड़ा हादसा, उदयपुर में एनिकट में डूबने से चार बच्चों की मौत

उदयपुर

उदयपुर जिले के डबोक थाना क्षेत्र के भमरासिया घाटी काकरनाडा लक्ष्मणपुरा पावर हाउस के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें चार बच्चों की एनिकट में डूबने से मौत हो गई। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार मृतक बच्चों की आयु 12 से 15 साल के बीच है। सभी बच्चे कालबेलिया समाज जोगी बस्ती के निवासी थे। मृतकों में तीन लड़के और एक लड़की शामिल है। सूचना मिलते ही राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय लोग बच्चों के शवों को बाहर निकालकर डबोक थाना पुलिस को सौंप चुके थे। घटना की जानकारी मिलने पर नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। टीम में विजय नकवाल, विपुल चौधरी, दिनेश गमेती, सचिन कंडारा, प्रकाश राठौड़, जगदीश कुमावत और वाहन चालक कैलाश मेनारिया शामिल थे। मौके पर पांच जोड़ी कपड़े पाए जाने के कारण टीम ने आशंका जताई कि और कोई बच्चा एनिकट में फंसा हो सकता है। इसके बाद टीम ने आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई और व्यक्ति नहीं मिला। पुलिस के अनुसार, बच्चों के डूबने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है। घटना के समय वे दोस्तों के साथ खेलने और नहाने के लिए एनिकट गए थे। स्थानीय प्रशासन ने हादसे को गंभीरता से लेते हुए एनिकट के आसपास सुरक्षा इंतजाम भी बढ़ाए है। डबोक थाना क्षेत्र के इस हादसे ने स्थानीय इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है। प्रशासन और पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि नहरों, एनीकट और अन्य जल स्रोतों के पास बच्चों को अकेला न भेजें और सुरक्षा नियमों का पालन करें, साथ ही नदी व एनिकटो में नहाए भी नहीं।

राजस्थान में बढ़ी सर्दी, तापमान 13 डिग्री से नीचे

जयपुर

राजस्थान में अब सर्दी ने दस्तक दे दी है। सीकर के बाद अब दौसा में भी रात का तापमान गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार करौली, जालोर, गंगानगर, बाड़मेर, भीलवाड़ा और अजमेर समेत कई जिलों में न्यूनतम तापमान में 1 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे के दौरान पूरे राज्य का मौसम साफ रहा। दिन में धूप तेज रही, लेकिन रात में तापमान में गिरावट के चलते ठंड का असर बढ़ गया है। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में अरब सागर में डिप्रेशन सिस्टम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर सिस्टम बना हुआ है।

बिहार जाने वाली ट्रेनों में भीड़ को लेकर भड़के राहुल गांधी

बेबस यात्री एनडीए की छल वाली नीतियों का सबूत, 12,000 स्पेशल ट्रेन कहां हैं?

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया है कि छठ जैसे त्योहार के मौके पर बिहार जाने वाली ट्रेनें ठसाठस भरी हैं और यात्रियों को दरवाजों और छतों पर लटक कर जाना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता का दावा है कि कई ट्रेनों में क्षमता से दोगुने यात्री सवार हो रहे हैं। उन्होंने एनडीए सरकार पर डबल इंजन वाला तंज कसते हुए पूछा है कि '12,000 स्पेशल ट्रेन कहां हैं?' बिहार में विधानसभा चुनाव की भी प्रक्रिया चल रही है और कांग्रेस नेता ने इस मौके पर केंद्र और राज्य सरकार को जोरदार तरीके से घेरने की कोशिश की है। सोशल मीडिया पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाने और ट्रेनों की बोगियों में घुसने की जद्दोजहद कर रहे रेल यात्रियों वाले दो वीडियो शेयर करते हुए बिहार चुनाव और छठ जैसे मौके को देखते हुए उनकी सरकार पर जोरदार हमला किया है। राहुल ने एक्स पर दावा किया है, 'बिहार जाने वाली ट्रेनें ठसाठस भरी हैं...टिकट मिलना असंभव है और सफर अमानवीय हो गया है। कई ट्रेनों की जितनी क्षमता है, उससे 200 प्रतिशत तक लोग सवार हो रहे हैं, दरवाजों और छत तक पर लटक रहे हैं।' उन्होंने बिहार के लोगों के लिए छठ जैसे त्योहार के महत्त्व को समझाते हुए लिखा है, 'त्योहारों का महीना है, दिवाली, भाईदूज,छठ। बिहार में इन त्योहारों का मतलब सिर्फ आस्था नहीं घर लौटने की लालसा भी है।....लेकिन यह लालसा अब संघर्ष बन गई है।' आगे उन्होंने आरोप लगाया है कि 'फेल डबल इंजन सरकार के दावे खोखले हैं.....कहां हैं 12,000 स्पेशल ट्रेनें?'

'सम्मानजनक यात्रा अधिकार,एहसान नहीं'

इसके आगे उन्होंने लिखा है, 'हर साल हालात बद से बदतर क्यों होते जाते हैं...क्यों बिहार के लोग हर साल ऐसे अपमानजनक हालात में घर लौटने को मजबूर हैं?....अगर राज्य में रोजगार और सम्मानजनक जीवन मिलता, तो उन्हें हजारों किलोमीटर दूर भटकना नहीं पड़ता।' राहुल ने अपने आरोपों और दावों के अंत में लिखा है, 'ये सिर्फ मजबूर यात्री नहीं, एनडीए की धोखेबाज नीतियों और नीयत का जीता-जागता सबूत हैं। यात्रा सुरक्षित और सम्मानजनक हो यह अधिकार है,कोई एहसान नहीं।'

राहुल बोले- त्योहारों पर घर लौटना बना संघर्ष

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "त्योहारों का महीना है - दिवाली, भाईदूज, छठ। बिहार में इन त्योहारों का मतलब सिर्फ आस्था नहीं, घर लौटने की लालसा है- मिट्टी की खुशबू, परिवार का स्नेह, गांव का अपनापन। लेकिन यह लालसा अब एक संघर्ष बन चुकी है। बिहार जाने वाली ट्रेनें ठसाठस भरी हैं, टिकट मिलना असंभव है, और सफर अमानवीय हो गया है। कई ट्रेनों में क्षमता से 200' तक यात्री सवार हैं। लोग दरवाजों और छतों तक लटके हैं।

सितारगंज में 24 घंटे बाद किसानों ने समाप्त किया धरना

आरएफसी के आश्वासन के बाद किसानों ने खोला मंडी समिति का गेट

द डेस्प्रिंग

सितारगंज।(दीपक भारद्वाज) । कच्चें आढ़तियों के धान नहीं ख़रीदने से नाराज किसानों ने शुक्रवार को नई मंडी समिति के गेट की तालाबंदी कर धरने पर बैठे थे। 24 घंटे बाद आरएफसी लता मिश्रा के सभी किसानों की धन तौल कराने के आश्वासन पर शनिवार को किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। इसके बाद आरएफसी लता मिश्रा और किसानों ने मंडी समिति का गेट खोल दिया।

कच्चें आढ़तियों के धान नहीं खरीदने से नाराज किसानों ने मंडी समिति में करीब 200 धान की ट्राली खड़ी कर मंडी में आवाजाही बाधित कर दी थी। इसके बाद उन्होंने मंडी समिति के गेट की तालाबंदी कर धरने पर बैठ गए। इस दौरान नाराज किसानों ने जमकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं, तहसीलदार हिमांशु जोशी, मंडी सचिव विनोद पलड़िया, सीएमओ विनय

चौधरी और एसएसआई विक्रम धामी ने किसानों को मनाने की काफी कोशिश की लेकिन वह नहीं माने और धान तुलवाने की जिद पर अड़े रहें। वहीं, किसानों ने तोल ना किए जाने पर चौराहें पर धान पलटने की धमकी भी दी। बाद में आईएफसी लता मिश्रा से फोन पर हुई वार्ता के बाद किसानों ने धान पलटने का फैसला स्थगित कर दिया। इसके बाद किसान मंडी समिति में ही रात भर धरने पर बैठे रहे। शनिवार को किसानों,

अधिकारियों और कच्चें आढ़तियों के बीच वार्ता का दौर शुरू हुआ। किसानों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी शर्तो को रखा। दिन भर चली वार्ता के बाद किसानों ने आईएफसी लता मिश्रा के आश्वासन पर धरना समाप्त कर दिया। इसके बाद किसानों ने आरएफसी लता मिश्रा के साथ मंडी समिति का गेट खोल दिया। किसान नेता नवतेज पाल सिंह ने बताया कि वह कच्चें आढ़तियों के खिलाफ धरने पर बैठे थे। वह मनमाने तरीके से किसानों के फसलों पर कटौती कर रहे थे। वह नमी, फपला के अलावा भी करीब सात किलो अलग से काट रहें थे। उन्होंने बताया कि अधिकारियों के समक्ष सभी बातों को रखा है। आरएफसी लता मिश्रा ने उन्हें नमी और फपला के अलावा कोई अन्य कटौती को न किए जाने का आश्वासन दिया है। साथ ही, उन्होंने बताया कि सभी कच्चे आढ़तियों के 35 कांटे मंडी समिति में ही लगाए जाएंगे। जहां किसानों का धान तौला जाएगा। इसके अलावा मंडी में खड़ी सभी की तोल कराई जाएगी। वहां गुरसेवक सिंह, सरदार गुरसाहब सिंह, अर्शदीप सिंह, अनिरुद्ध राय, सलीम, कर्मा लाहोरिया, शेर सिंह मल्ली, छिंदा सिंह, अमरजीत, गुरनाम, दीप सिंह, शरीफ सहित अन्य किसान उपस्थित रहें। वार्ता के बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया है। शुक्रवार को तौली गई 45 ट्रालियों को मंडी से बाहर निकाल दिया है। रविवार और सोमवार को बाकी बची करीब 140 ट्रालियों की तौल कराई जाएगी।

रामगढ़ में बोलेरो सवारों ने मचाया उत्पातः घर में घुसकर फायरिंग, मारपीट और लूट, बोले – हम रॉयल्टी वाले हैं

पीड़ित परिवार ने थाना रामगढ़ में दी रिपोर्ट, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

द डेस्प्रिंग

रामगढ़ (अलवर)। रामगढ़ कस्बे में रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहाँ कुछ बदमाशों ने खुलेआम फायरिंग, मारपीट और लूटपाट की घटना को अंजाम देकर इलाके में दहशत फैला दी। यह घटना 24 अक्टूबर 2025 की रात करीब 8:20 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित मुन्शी पुत्र शोभाराम गुर्जर, उम्र 30 वर्ष निवासी किला मोहल्ला रामगढ़ ने थाना रामगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह घरेलू कार्य से गोविंदगढ़ मोड़ गया हुआ था। वहां सड़क के बीचों-बीच एक बोलेरो गाड़ी खड़ी थी, जिसमें बैठे कुछ लोग शराब पी रहे थे। जब उसने गाड़ी को हटाने के लिए कहा तो वे गाली-गलौज और हाथापाई पर उतर आए। प्रार्थी जान बचाकर वहां से भाग गया। थोड़ी देर बाद वही आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ मुन्शी के घर जा पहुँचे और उसके भाई राहुल के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। इसी दौरान एक आरोपी ने पिस्तौल से हवाई फायरिंग कर दी, जिससे मकान के शीशे चकनाचूर हो गए। आरोपियों ने घर में रखे 25,000 रुपए नकद व सोने की चेन लूट ली और शादी का सामान तोड़फोड़ कर बर्बाद कर दिया।

बदमाश जाते-जाते धमकी देकर बोले – "हम रॉयल्टी वाले हैं, तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। अगर पुलिस में गए तो जान से खत्म कर देंगे।"घटना के बाद पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल है। प्रार्थी मुन्शी ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना रामगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पद्मश्री नाथू खां सोलंकी व अनवर खान ने बांधा समा

सूफी व लोक गायकी का चला जादू

द डेस्प्रिंग

सुजानगढ. । शहर के सेठिया गार्डन में शुक्रवार रात दीपावली स्नेह मिलन व सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम हुआ। मीडिया प्रभारी कमल तापड़िया ने बताया कि कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित कलाकार नाथू खां सोलंकी व अनवर खान मंगणियार ने प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। सूफी और लोकगीतों ने महफिल में समां बांध दिया। भामाशाह संदीप भूतोड़िया की ओर से हुए कार्यक्रम में मंच पर प्रसिद्ध राष्ट्रीय लोक कलाकार नाथू खां सोलंकी ने नगाड़ों की थाप दी, पूरा परिसर सुर और ताल से गूंज उठा। इनके साथ एस्टोनिया देश के विदेशी कलाकारो ने रूणिचा और दुनिया चले ना श्रीराम के बिना.. जैसे भजनों और फ़िल्मी गीतों की प्रस्तुति दी। पद्मश्री से सम्मानित सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ अनवर खान मंगणियार ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का आगाज कर पायो जी मैंने रामरत्न धन पायो..., केसरिया बालम..., लड़ली लूमा झूमा...व कन्हैयालाल सेठिया की रचित कविता धरती धोरा री.ज..जैसे अनेक लोकगीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। खान ने सुरीली आवाज़ में सूफी और लोक गीतों की प्रस्तुति दी, तो माहौल आध्यात्मिक और संगीतमय बन गया। कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक,

सामाजिक कार्यकर्ता व संगीत प्रेमी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।आयोजनकर्ता भामाशाह संदीप भूतोड़िया ने बताया कि यह आयोजन दीपावली के उपलक्ष्य में लोगों को जोड़ने और संगीत-संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में चूरू जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, विधायक मनोज मेघवाल, रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा, सभापति निलोफर गौरी, कांग्रेस नेता रफीक मंडेलिया, इरशाद मंडेलिया, पीसीसी सचिव रियाजत अली खान, कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज खीचड़, राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र कीलक, नगर परिषद नेता प्रतिपक्ष जय श्री दाधीच, एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा,सरपंच सविता राठी, तहसीलदार गिरधारीलाल पारीक सहित अनेक अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

छापर में गो सेवार्थ हेतु संगीतमय शिव महापुराण कथा का होगा आयोजन

1100 महिलाओं के द्वारा निकाली जाएगी विशाल कलश यात्रा आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू

द डेस्प्रिंग

सुजानगढ़ । धर्म नगरी छापर में गो सेवार्थ हेतु संगीतमय शिव महापुराण कथा का का आयोजन 3 से 11 नवम्बर तक किया जाएगा।उसी को लेकर शनिवार को सुजानगढ़ के गौड़ भवन में सर्व समाज,विश्व हिन्दू परिषद व धर्मप्रेमी लोगों की बैठक आयोजित की गई,जिसमे कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार विमर्श कर सभी को अलग अलग जिम्मेदारी सौंपी गई। कथा के आयोजनकर्ता अमित पेड़ीवाल ने बताया कि उक्त आयोजन गो सेवार्थ के लिये पूज्य दादीजी स्व. श्रीमती भगवानी देवी पेड़ीवाल की स्मृति में में छापर के वृंदावन धाम स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।कथा वाचक अनन्त श्री विभूषित श्रीमददंडी स्वामी शिवेन्द्राश्रम महाराज ऋषिकेश वाले अपने श्रीमुख से कथा का वाचन करेंगे।पेड़ीवाल ने बताया कि 3 नवम्बर को सुबह 9 बजे विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी,जिसमें 1100 महिलाएं शामिल होंगी।कथा का समय दोपहर 12.30 बजे से 4.30 बजे तक का रहेगा।उन्होंने बताया कि सभी भक्तों के लिये रोज सुबह 10 बजे से 12.30 बजे तक महाप्रसाद रखा गया है।इस दौरान प्रतिदिन शाम को अलग अलग कलाकारों के द्वारा विशाल भजन संध्या का आयोजन भी प्रतिदिन किया जाएगा।भजन गायक मधुबाला राव,सुभाष कावा,सन्त श्री

गुलाबनाथ महाराज,मनोहर पुजारी सालासर,नरपत नागौरी, कुलदीप ओझा, लहरूदास वैष्णव व रमेश पारीक अपने भजनों की प्रस्तुतियां देंगे।बैठक में विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष सुभाष पारीक,नरेंद्र भाटी,नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन ब्रह्मप्रकाश शर्मा,अनिल मिश्रा, विनय माटोलिया,पवन माहेश्वरी, अरविंद सोनी,सुरेश अरोड़ा,दीनदयाल पारीक,गजानंद दाधीच,राजेश सुंदरिया, राजेन्द्र पथानिया,प्रेमप्रकाश तूनवाल,शांति देवी व सुमन सामरिया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरूष मौजूद रहे।

विधायक सीएल प्रेमी ने दीपावली की रामा श्यामा की

द डेस्प्रिंग

केशोरायपाटन(मुकेश जैन): क्षेत्रीय विधायक एवं जिला अध्यक्ष सीएल प्रेमी ने शहर वासियों से शनिवार को दीपावली की रामा श्यामा की इससे पहले विधायक ने मात्रा हनुमान मंदिर के दर्शन कर मात्रा रोड, मेंन बाजार, पुरानी तहसील रोड होते हुए व्यापारियों एवं क्षेत्रवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उनके साथ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सर्वजीत सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष कन्हैयालाल कराड, नगर अध्यक्ष अरविंद भूतिया, पीसी से सदस्य अजीज खान, नगर निकाय प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष जफर ने शरीफ, जिला उपाध्यक्ष चेतराम नागर, ब्लॉक उपाध्यक्ष राम भरोस मीणा,जिला महासचिव राजेंद्र खींची, पार्षद उमेश मीणा, पार्षद तुषार शर्मा, नगर महासचिव रफीक मंसूरी, एडवोकेट मुकेश सुमन, शौकत अली, जिला परिषद रामलाल गुर्जर, पंकज पांडे, सदस्य अमृत लाल गुर्जर, भारत नामा, दीनबंधु गौतम, जितेंद्र मलिक गांधी, रामस्वरूप मेघवाल, युथ कांग्रेस उपाध्यक्ष वीरेंद्र केवट, हरिशंकर, सुखलाल मीणा, कन्हैया लाल मीणा, बाबूलाल मेघवाल आदि शामिल रहे।

अवैध तमंचे के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो बरेली) । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध विरोधी अभियान के तहत थाना बारादरी पुलिस ने दिनांक 25.10.2025 की रात्रि में एक शातिर अपराधी को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार किया है। उपनिरीक्षक कुशलपाल सिंह के नेतृत्व में गश्त कर रही पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध तमंचा लेकर सतीपुर रोड से ककरईया कब्रिस्तान की ओर जा रहा है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त दिलशाद पुत्र अशफाक (उम्र 42 वर्ष, निवासी रामगंगा नगर कॉलोनी, बिथरी चैनपुर) को मौके से दबोच लिया। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा (12 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में सामने आया कि दिलशाद पूर्व में चोरी के मामलों में जेल जा चुका है और उसने यह तमंचा चोरी के दौरान लोगों को डराने व भागने के लिए खरीदा था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के समय भी वह चोरी करने की नीयत से घूम रहा था। अभियुक्त के विरुद्ध थाना बारादरी पर मु0अ0सं0 1263/2025, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है। अभियुक्त का विस्तृत आपराधिक इतिहास भी है, जिसमें चोरी और आर्म्स एक्ट के कई मामले शामिल हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक धनंजय पाण्डेय थाना बारादरी , उप0नि0 कुशलपाल सिंह चौकी प्रभारी जगतपुर, हे0कां0विनीत कुमार ,कां0 यश गौड थाना बारादरी बरेली शामिल थे।

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड कर्मचारी संघ का अधिवेशन 26 से

प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव 27 अक्टूबर को होगा; 8 साल बाद फिर से होगी वोटिंग

द डेस्प्रिंग

राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ का 11वां प्रांतीय अधिवेशन 26 अक्टूबर से शुरू होगा।राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ का 11वां प्रांतीय अधिवेशन 26 अक्टूबर से शुरू होगा। दो दिन चलने वाले इस अधिवेशन में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव भी करवाए जाएंगे। करीब 8 साल बाद संघ के प्रदेशाध्यक्ष के लिए वोटिंग होगी। इससे पहले दो बार जब चुनाव हुए तो उसमें प्रदेशाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए थे।

राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ उत्तर प्रदेश एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संयुक्त तत्वाधान में संयोजित होगी क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी

द डेस्प्रिंग

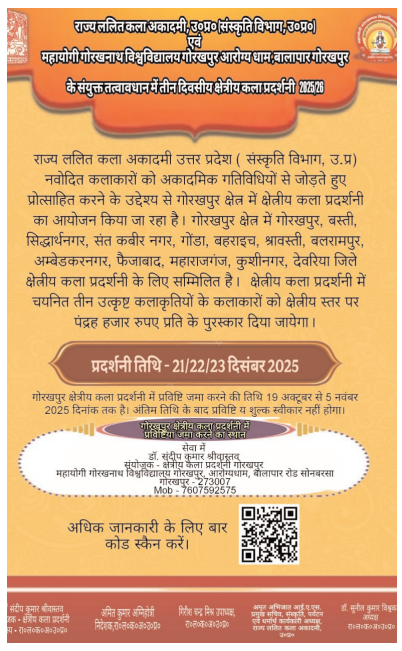

उत्तर प्रदेश / संजय कुमार । संस्कृति विभाग के राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ उत्तर प्रदेश एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संयुक्त तत्वाधान में गोरखपुर क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी 2025/26 का आयोजन दिसंबर माह में किया जाएगा। राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा गोरखपुर क्षेत्र में तीन दिवसीय क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन 21से 23 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा । यह जानकारी राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ उत्तर प्रदेश के सदस्य और क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी के संयोजक डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने दिया । राज्य ललित कला अकादमी नवोदित कलाकारों को अकादमिक गतिविधियों से जोड़ते हुए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गोरखपुर क्षेत्र में क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। गोरखपुर क्षेत्र में गोरखपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया जिले क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी के लिए सम्मिलित है । राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ उत्तर प्रदेश के निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री ने कहा कि क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी में चयनित तीन उत्कृष्ट कलाकृतियों के कलाकारों को क्षेत्रीय स्तर पर पंद्रह हजार रुपए प्रति के पुरस्कार दिया जायेगा। प्रतिभागी चित्रकला, ग्राफिक्स, रेखांकन, मूर्ति एवं प्रेस-लेआउट विधा में प्रतिभाग कर सकते हैं।गोरखपुर क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी में प्रविष्टि जमा करने की अंतिम तिथि 5 नवंबर 2025 दिनांक तक है। अंतिम तिथि के बाद प्रविष्टि स्वीकार नहीं होगा। सौ रुपए नगद शुल्क के साथ अधिकतम 2 कृतियों के दो - दो

(6" ❛ 4", एवं 7"ङ्ग5") छायाचित्र चयन हेतु जमा किये जा सकेंगे । छायचित्रों के पीछे कृति का विवरण स्लिप चिपकाया जाए जिस पर शीर्षक, माध्यम, आकार, निर्मित करने का वर्ष व कलाकार का नाम सुस्पष्ट शब्दो में लिखा हो। कलाकृति वर्ष 2022 के बाद की सृजित होनी चाहिए। प्रदर्शनी के लिये चित्र का आकार 3' ङ्ग 3.5' फीट तथा मूर्ति का आकार 2ङ्ग15ङ्ग1 फिट तक अनुमन्य होगा। निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री ने कहा कि क्षेत्रीय प्रदर्शनियों के माध्यम से नई प्रतिभाएं उजागर हुई और ऐसे क्षेत्रों के कलाकारों को दिशा प्रदान हुई जहां पहले अकादमी की गतिविधियां नहीं पहुँच सकी थीं। इस दृष्टि से ये प्रदर्शनियां लक्ष्य पूर्ति में सफल होंगी। क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी के कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 की गतिविधियों को विस्तार और व्यापकता के साथ ही कलाकारों को भी कला की मुख्य धारा से जुड़ने का समुचित अवसर प्राप्त हो रहा है। क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी से कलाकार अपने कार्यों से कला जगत को समृद्ध करेंगे। क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी के आयोजन पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि कला और संस्कृति के संवर्धन में राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा संयोजित क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी अपने सिद्धि को प्राप्त होगा। गोरखपुर क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी को राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संयुक्त तत्वाधान में होने से पूर्वांचल की कला को एक वृहद मंच मिलेगा। पूर्ण विश्वास है राज्य ललित कला अकादमी के नामित सदस्य एवं प्रदर्शनी संयोजक डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी सफल होगी।गोरखपुर क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी के लिए राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष आई .ए.एस. अमृत अभिजात, उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा ,सहित कला जगत के सांस्कृतिकर्मियों ने शुभकामना दिया ।गोरखपुर क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी में प्रविष्टियां जमा करने के लिए गोरखपुर क्षेत्रीय संयोजक - क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी,गोरखपुर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, आरोग्यधाम, बालापार रोड सोनबरसा गोरखपुर , पर प्रेषित करे।

शिश्यूँ-रानोली निजी शिक्षण संस्थान का दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

द डेस्प्रिंग

सीकर। शिश्यूँ-रानोली निजी शिक्षण संस्थान का दीपावली स्नेह मिलन यश पब्लिक स्कूल, रानोली में ताराचंद सैनी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस दौरान समान कलेण्डर तय करने, अर्द्ध वार्षिक परीक्षा से पूर्व 100 प्रतिशत फीस ली जाने, वाहन किराये का निर्धारण किया जाए, निजी विद्यालयों की किसी भी अन्य परेशानियों का समाधान सहित अनेक विषयों पर मंथन हुआ।

साथ ही अगली बैठक 28 अक्टूबर (मंगलवार) को सायं 5 बजे विनायक कॉन्वेंट स्कूल, शिश्यूँ रोड़, रानोली में करने की सहमति जताई गई।

इस अवसर पर झाबर मल आर्य, ओमप्रकाश खर्रा, रामदेव सिंह खोखर, मनोज कुमार नरेड़ा, नरेंद्र सिंह भामू, श्याम सुंदर सैन, कजोड़मल गढ़वाल, मनोज टेलर, ओमप्रकाश त्रिवेदी, सचिन शर्मा, गोवर्धन बोहरा, बनवारी लाल नेमिवाल, छोटू सिंह बाजिया, हजारी लाल गुर्जर, विनोद कुमावत आदि विद्यालय संचालक उपस्थित रहे।

जूनियर आरजे का शानदार ग्रैंड फिनाले संपन्न; आशिवका तिवारी बनीं विजेता चर्चित हस्तियों की मौजूदगी ने बच्चों का बढ़ाया उत्साह

द डेस्प्रिंग

गोरखपुर / संजय कुमार । लाउडस्पीकर 90 एफ.एम. द्वारा आयोजित लोकप्रिय टैलेंट हंट "जूनियर आरजे' के तीसरे सीजन का शानदार ग्रैंड फिनाले कल शाम होटल विवेक में संपन्न हुआ।इस रोमांचक प्रतियोगिता में शहर भर के प्रतिभाशाली बच्चों ने अपनी आवाज़ और हाज़िरजवाबी का हुनर दिखाया। कड़े मुकाबले के बाद, अपनी बेहतरीन एंकरिंग और आत्मविश्वास से जजों का दिल

जीतकर आश्विका तिवारी को "जूनियर आरजे" 2025 का विजेता घोषित किया गया।इस ग्रैंड फिनाले की शाम सितारों से सजी रही। कार्यक्रम में भजन सम्राट नंदू मिश्रा, बॉलीवुड और भोजीवुड के निर्देशक मलय मिश्रा, बॉलीवुड और भोजीवुड के कलाकार सी.पी.भट्ट, दूरदर्शन की उद्घोषक सौम्या दीक्षित, नगर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, पूर्व महापौर सत्या पांडेय, कांग्रेस नेत्री चेतना पांडेय, सहजनवां विधायक प्रदीप शुक्ल, वरिष्ठ समाजसेवी सुधा मोदी आदि उपस्थित रहे। जिन्होंने न केवल बच्चों का हौसला बढ़ाया, बल्कि उनके साथ मंच भी साझा किया और बच्चों के टैलेंट की जमकर सराहना किया।"जूनियर आरजे" प्रतियोगिता के विजेता को लाउडस्पीकर अपने रेडियो स्टेशन पे पूरे एक वर्ष तक एक शो करने का मौका देता है। कई हफ्तों तक चले ऑडिशन और मुकाबलों के बाद टॉप फाइनलिस्टों ने ग्रैंड फिनाले में अपनी जगह बनाई थी।कार्यक्रम के आयोजक विश्व वैभव शर्मा व शैलेन्द्र चतुर्वेदी ने कहा, "हम इस सीजन की अविश्वसनीय प्रतिभा को देखकर अभिभूत हैं। अश्विका ने अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा परिपक्वता और रचनात्मकता दिखाई है। हमें गर्व है कि हम इन नन्हे आरजे को दुनिया के सामने ला पाए। सभी प्रतिभागियों को हमारी शुभकामनाएँ।"उक्त कार्यक्रम में मद्य निषेध विभाग द्वारा जादूगर के माध्यम से मद्य निषेध जागरूकता कार्यक्रम भी कराया गयाद्य विजेताओं, अश्विका तिवारी और फलक खान, व श्रीस को चमचमाती ट्रॉफी, सर्टिफिकेट व मेडल से सम्मानित किया गया। उन्हें जल्द ही लाउडस्पीकर 90 एफ.एम. पर अपने खुद के शो को होस्ट करने का सुनहरा मौका भी मिलेगा।

महाराणा प्रताप की 27वीं अश्वारूढ़ प्रतिमा का बरेली में

अनावरण: सहकारिता राज्यमंत्री जे. पी. एस. राठौर करेंगे उद्घाटन

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो)। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 12 फुट ऊंची और 31 क्विंटल वजनी अश्वारूढ़ धातु प्रतिमा का भव्य अनावरण रविवार, 26 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे होगा। यह प्रतिमा पीलीभीत बाईपास रोड स्थित महानगर टाउनशिप में स्थापित की गई है। उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे. पी. एस. राठौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिमा का अनावरण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नवाणा (राजस्थान) करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। इनमें सांसद छत्रपाल सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना (वन मंत्री) और धर्मपाल सिंह (पशुधन मंत्री) शामिल हैं। इसके अलावा, विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, अरविंद कुमार सिंह, डॉ. एम. पी. आर्य, राजीव कुमार सिंह, डॉ. डी. सी. वर्मा, प्रो. श्याम बिहारी लाल, संजीव अग्रवाल, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, और बरेली के महापौर डॉ. उमेश गौतम भी मौजूद रहेंगे। यह प्रतिमा महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के तहत स्थापित की जा रही है, जिसका लक्ष्य देश के विभिन्न हिस्सों में कुल 500 प्रतिमाओं की स्थापना करना है। बरेली में यह इस अभियान की 27वीं प्रतिमा है।

अवैध तस्करी के खिलाफ बारादरी पुलिस का एक्शन, 57 ग्राम स्मैक जब्त

द डेस्प्रिंग

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो) वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना बारादरी बरेली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। थाना बारादरी पुलिस को गश्त के दौरान भारत पैट्रोल पम्प के पास से वसीम पुत्र नत्थू खां (उम्र 22/23 वर्ष), निवासी चठिया जगन्नाथ अटामाण्डा, थाना भोजीपुरा, बरेली को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के पास से 57 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 5.70 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0 1261/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ में वसीम ने बताया कि वह स्पोर्ट्स बाइक खरीदने के शौक पूरे करने के लिए स्मैक को फतेहगंज पूर्वी से खरीदकर सैटेलाइट बस अड्डे जैसे भीड़-भाड़ वाले इलाकों में बेचने आया था। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक धनंजय पाण्डेय थाना बारादरी ,उप0नि0 विनय बहादुर सिंह प्रभारी चौकी सैटेलाइट थाना बारादरी, उ0नि0 रवि तोमर , हे0का0 आशीष कुमार मिश्र ,का0सिद्धान्त चौधरी थाना बारादरी बरेली शामिल थे।अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सितारगंज में अस्पताल के बाहर से स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी, पीड़ित ने थाना में दी तहरीर

द डेस्प्रिंग

सितारगंज:(दीपक भारद्वाज) अमरिया बाईपास रोड स्थित एस.एस. हॉस्पिटल के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर उड़ा ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम राजनगर, शक्तिफार्म निवासी राजेन्द्र पाल पुत्र अश्वनी पाल 17 अक्टूबर 2025 को अपने रिश्तेदार को देखने अस्पताल गए थे। उन्होंने अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (संख्या-यूके06 ए एन 4244, रंग-काला) हॉस्पिटल के बाहर खड़ी की थी, लेकिन लौटने पर देखा कि वाहन चोरी हो चुका है। काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने थाना सितारगंज में तहरीर देकर एफ.आई.आर. दर्ज कर चोरों की तलाश व वाहन बरामदगी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महामंदिर श्रीमाली ब्राह्मण समाज द्वारा श्री महालक्ष्मी का अन्नकूट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह एवं दीपावली स्नेह मिलन 26 को

द डेस्प्रिंग

जोधपुर। महामंदिर श्रीमाली ब्राह्मण समाज द्वारा रविवार दिनांक 26 अक्टूबर को मनाया जाएगा श्री महालक्ष्मी का अन्नकूट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह एवं दीपावली स्नेह सम्मेलन मनाया जाएगा। अध्यक्ष कैलाश श्रीमाली एवं सचिव मधुसूदन दवे ने बताया कि दीपोत्सव महाउत्सव के बाद लाभ पंचमी के शुभ अवसर पर महामंदिर श्रीमाली ब्राह्मण समाज द्वारा माँ श्री महालक्ष्मी का भव्य अन्नकूट का आयोजन किया जाएगा। साथ ही बालक बालिकाओं को मेडल और प्रमाण पत्रों से नवाजा जाएगा। शिक्षा क्षेत्र में, खेल क्षेत्र में या अन्य क्षेत्र में भाग लेकर सफलता प्राप्त करने वालो को समाज द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जाएंगे । इस आयोजन में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि समाज के गणमान्य बंधु रमेश घोष अध्यक्ष हरिद्वार संस्थान, विद्युशेखर दवे अध्यक्ष पुष्कर संस्थान, महेन्द्र बोहरा श्रीमाली ब्राह्मण समाज जोधपुर महानगर अध्यक्ष, वेणु जोशी उधोगपति, विशाल दवे आर.ए.एस., विकास शर्मा डायरेक्टर कुबेर कोऑपरेटिव सोसाइटी एवं मेडल और प्रमाण पत्र के प्रायोजक डॉ पी के व्यास आदि समाज के गणमान्य बंधु उपस्थित रहेंगे। समाज ईकाईयों के समस्त अध्यक्षों को भी इस कार्यक्रम में आने हेतु आमंत्रित किया गया है। कोषाध्यक्ष नंदकिशोर दवे ने बताया कि यह आयोजन शाम को ठीक 5:30 बजे से प्रारंभ होगा सर्वप्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजन किया जाएगा, पश्चात मातेश्वरी का अन्नकूट सजावट और भोग का कार्यक्रम होगा। एवं महाआरती के बाद में दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट की प्रसादी का वितरण किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर समाज के गणमान्य बंधु, मातृशक्ति, युवा मंडल के साथ क्षेत्रवासी उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय परकेला ढाणी, नाडोल में छात्रों के हित में एक महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हुआ

द डेस्प्रिंग

नाडोल / नगराज वैष्णव । महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में ?10,000 मनोहर मल जी मेहता परिवार द्वारा प्रदान किए गए। राजकीय प्राथमिक विद्यालय पर केला ढाणी नाडोल में ?10,000 गुप्त दानदाता के माध्यम से प्रदान किए गए। यह राशि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सर्दियों में स्वेटर देने के लिए उपयोग की जाएगी। इस अवसर पर प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में विद्यालय कार्यवाहक प्रधानाचार्य श्रीमती भगवती जी मेघवाल के हाथों में राजेन्द्र कुमार जी वरिष्ठ अध्यापक द्वारा ये राशि प्रदान की गई इस अवसर पर विद्यालय परिवार के व्याख्याता नरपत दास लश्करी समदर सिह राठौड हेमन्त कुमार कुमावत गणपत बोस , राजेन्द्र सिह राजपुरोहत महेन्द्र कुमार सहित सम्पूर्ण शिक्षक-शिक्षिकाएँ, छात्र-छात्राएँ की उपस्थिति रही। प्रधानाध्यापक सुमेर सिह जी द्वारा छात्रो को परीक्षापयो जानकारी प्रदान की गई संपूर्ण विद्यालय परिवार द्वारा राजेंद्र कुमार वैष्णव, वरिष्ठ अध्यापक का विशेष आभार और धन्यवाद व्यक्त किया गया।

पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज की 350 प्रतिभा सम्मानित

समाज की उन्नति के लिए शिक्षा एवं एकता का जोर समाज के विकास में योगदान देने वाले भामाशाह ओ हुआ सम्मान

द डेस्प्रिंग

जालोर (युनुस खान) ।. भीनमाल पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज छात्रावास संस्थान की ओर से आयोजित 9वां प्रतिभा सम्मान समारोह शुक्रवार को तलबी रोड स्थित समाज भवन परिसर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर 350 से अधिक प्रतिभाओं और भामाशाहों को सम्मानित किया। समारोह का शुभारंभ संत समाज के तृपतात्मानंदगिरी महाराज, स्वामी दुर्गानंद गिरी और स्वामी बलदेवपुरी महाराज (तारातरा मठ) के सान्निध्य में हुआ। इस दौरान अतिथियों ने समाजजनों को शिक्षा, एकता और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेश पंवार ऋ, विशिष्ट अतिथि कालुराम परमार, माणकचंद, खेताराम मकवाना, जयंतीलाल सोलंकी और कार्यक्रम की अध्यक्षता हरीश परमार ने की। उन्होंने समाज के युवाओं से शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। समारोह में समाज की 350 से अधिक प्रतिभाओं को और 17 नवचयनित कर्मचारीयो सम्मानित किया गया। इनमें से 4 स्वर्ण पदक और 10 रजत पदक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को दिए।

समाज की उन्नति के किए शिक्षा एकता का जोर

समाज की उन्नति के लिए शिक्षा और एकता का जोर समाज के विकास में योगदान देने वाले भामाशाहों का भी मंच पर अभिनंदन किया। मंच का संचालन कपुराराम दर्जी और उत्तमचंद सोलंकी ने किया। कार्यक्रम में नवम् प्रतिभा सम्मान समारोह के भामाशाहो का सम्मान किया गया और दसवें प्रतिभा सम्मान समारोह की चढ़ावे की बोलियां बोली गई जिसमें समाज के भामाशाहों ने उत्साह से भाग लिया। अंत में, समाज अध्यक्ष किशनलाल डाभी ने सभी आगंतुकों, भामाशाहों और संतजन का आभार जताया।

यह रहे मौजूद

बगदाराम पादरा, सांवलाराम कलापुरा, किशनलाल नवसारी, वैनाराम, दिपाराम पढीयार, कालुराम, चुनाराम, लाखाराम कारलु, हिरालाल, उतम सोलंकी, सुरेश जेतु, कपुराराम, अभिषेक आर्य, जैसाराम, लाखाराम नरसाणा, भेराराम मकवाना, डॉ घेवरचंद बागोड़ा, पहलाद सोलंकी तिलोडा, मोहनलाल सोलंकी, रुपाराम सोलंकी, जयंतीलाल दहिया, भीखाराम पड़ियार , विमल कुमार, बलवंत, गोपाराम, प्रहलाद डाभी सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

देशभर के इस्लामिक विद्वान आज जयपुर के करबला में जुटेंगे

द डेस्प्रिंग

जयपुर । देशभर के इस्लामी स्कॉलर्स 26 अक्टूबर को जयपुर के करबला मैदान में जुटेंगे। वे यहां सुन्नी दावते इस्लामी जयपुर की ओर से आयोजित होने वाले एक दिवसीय सुन्नी इज्तेमा (अधिवेशन) में शामिल होंगे। अधिवेशन में 50 से 60 हजार लोगों के आने की संभावना है। अधिवेशन के दौरान सुबह 10 बजे से विभिन्न सेशन होंगे जो देर रात 12 बजे तक चलेंगे। सेशन के दौरान शैक्षिक, सामाजिक व धार्मिक मामलों पर विषय विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे।महिलाओं के बैठने की व्यवस्थाएं अलग से होगी। कार्यक्रम संयोजक नायाब खान ने बताया कि हजरत मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी साहब की जेरे निगरानी में होने जा रहे इस अधिवेशन की सरपस्ती मुफ्ती अब्दुस्सत्तार साहब व कारी एहतराम आलम अजीजी करेंगे। मौलाना हनीफ खान रिजवी, मौलाना हफीजुल्लाह बख्शी अशरफी, सैयद सुल्तान उल हुसैन चिश्ती के विशेष व्याख्यान होंगे। मुख्य वक्ता मौलाना शाकिर अली नूरी एवं वक्ता मुफ्ती निजामुद्दीन मिस्बाही व मौलाना सय्यद अमीनुल कादरी होंगे। इसी प्रकार मौलाना सलीम अकबरी, हाफिज कारी मोइनुद्दीन रिजवी, हफिज मोहम्मद अमीन रिजवी, सादिक रिजवी सहित अन्य कई इस्लामिक स्कॉलर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं मुंबई से आए मौलाना मोहम्मद युनुस, हाजी अब्दुल हमीद बैग, हाजी हसीन अहमद, नासिरूद्दीन शेख, जुनैद रफअत, तैमूर रफअत, हम्माद खान, सैयद अकील कादरी, अकील नूरी आदि की विशेष उपस्थित रहेगी।

तिब्बती रिफ्यूजी लहासा मार्केट का अतिथियों ने फीता काटकर कर किया विधिवत शुभारंभ

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

भारत तिब्बत संघ के तत्वाधान में तिब्बती लहासा मार्केट का शुभारंभ स्थानीय भार्गव वाटिका परिसर सरीन पेट्रोल पंप के सामने जीटी रोड गुलाब बाग चौराहे के पास धौलपुर पर किया गया।महंत श्री हनुमानदास जी महाराज के सानिध्य में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभिभाषक संघ के अध्यक्ष प्रशांत हुंडावाल (प्रिंस). विशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ वी डी व्यास, विशेष आमंत्रित अतिथि प्रसिद्ध साहित्यकार श्रीमती रजनी शर्मा एवं दुष्यन्त शर्मा प्रांत महामंत्री भारत तिब्बत संघ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुरूषोत्तम शर्मा राष्ट्रीय स्वयं सेवक विभाग प्रौढ़ प्रमुख एवं संरक्षक भारत तिब्बत संघ धौलपुर ने की आगंतुक अतिथि तिब्बती मार्केट प्रधान ताशी बांगडू रहे जबकि मंच संचालन पत्रकार हेमंत सिकरवार ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने मार्केट का फीता काट कर एवं भारत माता एवं तिब्बती आध्यात्मिक गुरु परम पावन दलाई लामा जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जलवन कर किया गया। भारतीय सनातन परंपरा के अनुसार सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार रोली अक्षत का तिलक लगाकर तिब्बती परिधान खतक पुष्पमाला पहना कर अभिनंदन किया गया। महंत श्री हनुमानदास जी के आशीर्वचनों से सभी तिब्बती व्यापारियों को उन्नत व्यापार की शुभकामनाएं दी गई प्रांत महामंत्री दुष्यन्त शर्मा ने संगठन का परिचय देते हुए कहा कि कैलाश मानसरोवर की मुक्ति भारत की सुरक्षा और तिब्बत की आजादी को लेकर भारत तिब्बत संघ राष्ट्रीय महामंत्री सौरभ सारस्वत के निर्देशन में पूरे देश भर में पूरी निष्ठा से कार्य कर रहा है। विशिष्ट अतिथि प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ वी डी व्यास ने तिब्बती मार्केट की क्वालिटी और कीमत की प्रशंसा करते हुए सहपरिवार खरीददारी करने का अनुभव बताते हुए तिब्बती मातृशक्तियों के द्वारा वस्त्र व्यापार करने में निपुणता को सराहा। मुख्य अतिथि युवा समाजसेवी एवं अभिभाषक संघ के अध्यक्ष प्रिंस हुंडावाल ने भारत तिब्बत संघ का आभार जताते हुए तिब्बती लहासा मार्केट के व्यापारियों से कहा कि आप बेफिक्र होकर अपना व्यापार करें और भरोसा दिलाया कि आप हमारे अतिथि हैं हमसे जो हर संभव मदद हो सकेगी हम करने के लिए तत्पर हैं आपके साथ है मै विगत कई वर्षों से आपके मार्केट से प्रभावित हूं। विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में प्रसिद्ध साहित्यकार रजनी शर्मा ने भारत और तिब्बत के मैत्रिक संबंधों की प्रगाढ़ता क्या जिक्र करते हुए सभी तिब्बती महिला व्यापारियों को अपने वस्त्र व्यापार के काम की प्रखरता को ताकत बता कर सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग प्रौढ़ प्रमुख एवं भारत तिब्बत संघ के संरक्षक पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि हम सभी भगवान भोलेनाथ से कामना करते है कि आपके मार्केट के नाम से रिफ्यूजी (निर्वासित) शब्द जल्दी हरे और आप सभी को पूर्णता प्रदान हो। कार्यक्रम के समापन पर तिब्बती मार्केट प्रधान ताशी ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार जताया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ और अंत में जलपान की व्यवस्था तिब्बती मार्केट व्यापारियों द्वारा की गई तिब्बती व्यंजनों से अल्पाहार का लुत्फ उठाया। आज के कार्यक्रम में यदुनाथ शर्मा, राकेश शर्मा, मुकेश सिकरवार दादा, वीरेंद्र उपाध्याय, रामदत्त श्रोतिय,राजेंद्र अग्रवाल, गोविंद गर्ग, राजेश पाठक, वीनू पांडे, वीनस गर्ग, रमा त्रिवेदी,राधा सक्सेना, क्षितिज,अर्जुन,दुर्गावती, दिव्या शर्मा,हेमवती, रचना,अभय, कुहू ,सीता गुप्ता, रितु पांडे, वैष्णवी,चैतन्य श्रीवास्तव, शिरीन, छावांग़, लामो सहित कई प्रमुख जन उपस्थित रहे।

जोधपुर के राजकीय ह्यूसन जिला चिकित्सालय, महिला बाग में एक असाधारण लेकिन सफल सामान्य प्रसव

द डेस्प्रिंग

जोधपुर / नगराज वैष्णव । एक महिला ने 4 किलो 100 ग्राम वजनी बच्ची को नॉर्मल डिलीवरी से जन्म दिया। खास बात यह है कि यह महिला की पहली संतान है और फिर भी सामान्य प्रसव संभव हुआ। मिली जानकारी के अनुसार पाल क्षेत्र निवासी निशा योगी, पत्नी रविन्द्र नाथ योगी को प्रसव पीड़ा के बाद अस्पताल लाया गया था। वरिष्ठ डॉक्टर सुमन सिंघवी के साथ कुशल अनुभवी टीम ने उनकी स्थिति का मूल्यांकन किया और नॉर्मल डिलीवरी का निर्णय लिया। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमन सिंघवी की देखरेख में यह प्रसव सफलता से संपन्न हुआ। जन्म के तुरंत बाद बच्ची का वजन 4.1 किलो मापा गया जो सामान्य बच्चों की तुलना में अधिक होता है। जिसके बाद मां और नवजात दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। डिलीवरी के बाद प्रसूता और बच्ची को कुछ समय के लिए चिकित्सकीय निगरानी में वार्ड में शिफ्ट किया गया। स्वास्थ्य की जांच में कोई समस्या नहीं मिलने पर दोनों को सफलतापूर्वक डिस्चार्ज कर दिया गया।

वरिष्ठ स्त्री प्रसूति रोग विशेषज्ञ

डॉ. सुमन सिंघवी ने बताया कि भारी वजन वाले बच्चों के मामलों में सामान्य डिलीवरी मुश्किल मानी जाती है लेकिन इस केस में टीमवर्क और समय पर निर्णय के चलते यह संभव हो पाया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी अस्पताल में कई जटिल प्रसव सामान्य रूप से कराए जा चुके हैं।

प्रसव टीम में डॉ. सुमन सिंघवी के अलावा नर्सिंग अधिकारी लक्ष्मण राम, अर्चना, सलामा, आयुष्मान भारत योजना की इंचार्ज भारती नाथ गोस्वामी, चांद मोहम्मद और अन्य सहायक स्टाफ का भी सराहनीय योगदान रहा। नवजात बच्ची के माता-पिता निशा योगी पत्नी रविंद्र नाथ योगी ने डॉक्टर और उनकी पूरी टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. निमित चौधरी की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भेंटवार्ता

विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा की मुख्यधारा में सम्मिलित कर, आरटीयू युवाओं को कर रहा हैं लाभान्वित : प्रो. निमित चौधरी, कुलगुरू

द डेस्प्रिंग

कोटा । राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय-कोटा के नवनियुक्त कुलगुरु प्रो.निमित चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मुलाकात की। आरटीयू के सह जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि श्री बिरला से चर्चा के दौरान कुलगुरू प्रो. निमित चौधरी ने विश्वविद्यालय की तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों, कार्य योजनाओं एवं कुलगुरु के रूप में अपनी प्राथमिकताओ से अवगत करवाया। नवनियुक्त कुलगुरू प्रो.चौधरी की श्री ओम बिरला से यह प्रथम शिष्टाचार भेंटवार्ता थी। इस अवसर पर कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत भी उपस्थित रहे। श्री बिरला ने प्रोफेसर चौधरी को कुलगुरु नियुक्त होने की शुभकामनाएं प्रदान की आशा व्यक्त की, कि कुलगुरु प्रो. चौधरी के सफल निर्देशन राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय अपने महान उद्देश्यों के साथ अनवरत आगे बढ़ता रहे। संवाद के दौरान कुलगुरु प्रो. चौधरी ने कहा कि आरटीयू जन-जन तक प्रौद्योगिकी और तकनीकी शिक्षा का प्रचार-प्रसार कर उच्च शिक्षा के विकास में योगदान देने के कार्य में निरंतर अग्रसर है। तकनीकी शिक्षा के संदर्भ में, सर्व सुलभता और पर्याप्त संसाधनों के साथ आरटीयू सम्पूर्ण प्रदेश में तकनीकी शिक्षा से जुड़े पाठ्यक्रमों का प्रभावी संचालन कर समाज के सभी वर्गों और युवाओं को लाभान्वित कर रहा हैं। छात्रों के कौशल विकास को दृष्टि से उन्मुख करते हुए विश्वविद्यालय विविध माध्यमों द्वारा शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए हर युवा वर्ग को तकनीकी शिक्षा के विकास की मुख्य धारा में सम्मिलित करने वाले एक गतिमान शिक्षा वातावरण की स्थापना की है।

श्रीमाली ब्राह्मण समाज के आरोग्य भवन में अन्नकूट का हुआ भव्य आयोजन

जय लक्ष्मी मंगल निधि माँ लक्ष्मी श्री सुंदर लक्ष्मी...से गूंजा आरोग्य भवन

द डेस्प्रिंग

जोधपुर। एम्स रोड 11वी गली में स्थित श्री श्रीमाली ब्राह्मण समाज के आरोग्य भवन में आज कार्तिक सुदी चौथ, 25 अक्टूबर 2025, शनिवार को श्रीमाली ब्राह्मणों की आराध्य जगत जननी, मातेश्वरी श्री महालक्ष्मी जी एवं भगवान राधा कृष्ण को अन्नकूट का भोग लगाया गया। श्री श्रीमाली ब्राह्मण समाज शिक्षा एवं चिकित्सा संस्था पुष्कर के राजेन्द्र दवे डीटीओ एवं ओमप्रकाश व्यास ने बताया कि आरोग्य भवन में अभिजित मुहूर्त में माँ महालक्ष्मी एवं भगवान राधा कृष्ण को अन्नकूट का भोग लगाया गया वहीं आरती पश्चात अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया। इस शुभ अवसर पर श्री श्रीमाली ब्राह्मण समाज शिक्षा एवं चिकित्सा संस्था पुष्कर के चिरंजीलाल दवे पूर्व अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय श्रीमाली ब्राह्मण समाज संस्था पुष्कर, राजेन्द्र दवे डीटीओ, महेन्द्र बोहरा अध्यक्ष श्री श्रीमाली ब्राह्मण समाज जोधपुर, कांतिलाल ओझा, श्रीमती राजकुमारी दवे, दुष्यंत कुमार जोशी, ओमप्रकाश व्यास, मुकेश दवे, चंद्रशेखर दवे, रवि श्रीमाली, तरुण दवे, किशोर व्यास, विनोद दवे, भंवरलाल व्यास, नरेन्द्र राज बोहरा, अर्जुन जोशी, योगेश त्रिवेदी, श्रीमती पूर्णिमा जोशी, विक्रान्त दवे, माधव जोशी, राजकुमार बोहरा, दामोदर के साथ संस्था के ट्रस्टी व गणमान्य बंधु उपस्थित होकर पुण्यलाभ प्राप्त किया।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

दिल्ली में हवा अब सिर्फ सांस लेने की चुनौती नहीं, चेतावनी है

सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए इस बार भी उन्हीं उपायों को अपना रही है, जो बहुत कारगर नहीं रहे हैं। यह बेहद निराशाजनक है कि राजधानी और आसपास बढ़ते प्रदूषण को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। सीपीसीबी के अनुसार अक्षरधाम और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 403 दर्ज किया गया जो 'गंभीर' श्रेणी में है।

हर वर्ष दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण एक बड़ी समस्या के रूप सामने आता है। आज हालत यह है कि इसने लाखों लोगों की सेहत को जोखिम में डाल दिया है। सवाल यह है कि हर वर्ष कुछ महीने एक ही स्थिति रहने के बावजूद सरकार इस समस्या को काबू क्यों नहीं कर पा रही है। हर बार चंद कदम उठाए जाते हैं और जैसे ही मौसम बदलता है, सरकार हाथ पर हाथ रख कर बैठ जाती है, यह जानते हुए भी कि अगले साल भी यही समस्या होगी। इस समय दिल्ली में पिछले तीन दिनों से वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की जा रही है। हालांकि इसकी एक वजह हवा की गति कम होना बताया जा रहा है। गौरतलब है कि शीर्ष न्यायालय ने निर्धारित समय में और एक निश्चित मापदंड के साथ हरित पटाखे छोड़ने की अनुमति दी थी। मगर जिस तरह से नियमों का उल्लंघन किया गया, उससे साबित हो गया कि नागरिकों में दायित्व बोध का किस हद तक अभाव है। नतीजा यह कि बुधवार को दिल्ली से लेकर नोएडा और गाजियाबाद तक वायु गुणवत्ता सूचकांक तीन सौ से ऊपर चला गया। अन्य इलाकों से भी प्रदूषण के इसी तरह बेलगाम होने की खबरें आईं। सवाल है कि मनमानी का नतीजा किसे भुगतना होगा। गौरतलब है कि दिल्ली में बीते सोमवार को वायु प्रदूषण चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर चला गया था। इस हवा को बिगाड़ने में निस्संदेह उन लोगों का भी हाथ रहा जो पटाखे छोड़ने की छूट का मनमाना दुरुपयोग कर रहे थे। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में प्रदूषण कम होने की बात सरकारी स्तर पर कही गई है। जबकि दीपावली के अगले ही दिन आंखों में जलन और घुटन महसूस करने की शिकायतें आम थीं। पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आसमान धुंधला हो चुका था। सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए इस बार भी उन्हीं उपायों को अपना रही है, जो बहुत कारगर नहीं रहे हैं। यह बेहद निराशाजनक है कि राजधानी और आसपास बढ़ते प्रदूषण को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। आज जरूरत इस समस्या का ठोस हल निकालने की है। यह नहीं भूलना चाहिए कि यह जीवन जीने के अधिकार से भी जुड़ा मसला है।

चीन में उइगर मुसलमानों पर अत्याचार और मुस्लिम देशों की चुप्पी

आज के आधुनिक युग में, जब मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की बातें वैश्विक मंचों पर जोर-शोर से उठाई जाती हैं, चीन में उइगर मुसलमानों की स्थित, उनके उत्पीड़न और उनकी धार्मिक आजादी पर हमले गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। चीन के शिनजियांग प्रांत में, जहाँ अधिकांश उइगर आबादी रहती है, सरकार द्वारा व्यापक पैमाने पर अत्याचार और दमन की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। इन अत्याचारों में जबरन श्रम, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को मिटाने के प्रयास, और तथाकथित पुनर्शिक्षण शिविरों में बड़े पैमाने पर कैद शामिल हैं। इन गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के बावजूद, दुनिया के कई मुस्लिम देशों की चुप्पी हैरान करने वाली है। कारोबार के सिलसिले में अरब व्यापारियों द्वारा चीन का सफर करने के कारण चीन में इस्लामी प्रभाव सैकड़ों वर्ष पुराना है, लेकिन शिनजियांग में उइगुर मुसलमानों का संबंध अरब नरल से नहीं है। इनका ताल्लुक तुर्कों से है। इनकी भाषा और संस्कृति चीनी भाषा और संस्कृति से भिन्न है। शिनजियांग को सरहदें मंगोलिया, तजाकिस्तान, अफगानिस्तान, करकिस्तान, कजाकिस्तान और हिंदुस्तान से मिलती हैं। शिनजियांग सदियों से कृषि एवं व्यापार पर आधारित है। काशगर समेत कई नगर प्रसिद्ध सिल्क रूट के लिए जाने जाते हैं। चीन में मुसलमानों की आबादी करीब 2.85 प्रतिशत है। शिनजियांग में लगभग 47 प्रतिशत (1.2 करोड़) उइगुर मुसलमान और 40 फीसदी हॉन चौनी राहते हैं। 1949 में शिनजियांग में 90 प्रतिशत तुर्की मुसलमान और चार फीसदी हान वंशी आबाद थे। अब वहां हान चीनियों की बड़ी तादाद को बसाकर उइगुरों को अल्पसंख्यक बनाया जा चुका है। चीन में 39 हजार मसजिदें हैं। इनमें 25 हजार शिनजियांग में हैं। 20 नवंबर 1949 को उइगुरों ने पूर्वी तुर्किस्तान (शिजियांग) को स्वतंत्र घोषित किया था, किंतु यह स्वतंत्रता अधिक दिनों तक कायम नहीं रह सकी। चीन की कम्युनिस्ट सरकर ने उसी वर्ष फौजी कार्रवाई करते हुए इसे पीपुल रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) में शामिल कर लिया। इस कारण चीन और उइगुरों के बीच झड़पों का सिलसिला जारी है। कहा जाता है कि 1990 और 2008 के ओलंपिक खेलों के दौरान अलगाववादी उइगुरों द्वारा किए गए प्रदर्शनों से नाराज हुकमरान ने मुसलमानों को चीन के लिए खतरा मानते हुए अत्याचार में इजाफा किया। उन पर अफगानिस्तान में प्रशिक्षण लेने और अलकायदा से संबंध रखने का आरोप है। स्थिति यह है कि शिनजियांग के मुसलमानों को अपना मजहब और पहचान छोड़कर कम्युनिज्म अपनाने के लिए बाध्य किया जा रहा है। चीन का एक स्वायत्त क्षेत्र शिनजियांग सदियों से उइगर मुसलमानों का घर रहा है। ये उइगर मुख्य रूप से सुन्नी मुस्लिम हैं। उनकी अपनी एक विशिष्ट संस्कृति, भाषा और इतिहास है। हालाँकि, पिछले कुछ दशकों में, चीनी सरकार ने इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए कठोर नीतियाँ लागू की हैं। चीन इन उइगरों मुस्लिमों के लिए पुनर्शिक्षण शिविरों का संचालन करता है। कुख्यात और परेशान करने वाला मुद्दा चीन का इन पुनर्शिक्षण शिविरों का संचालन है। चीन सरकार इन्हें व्यावसायिक कौशल शिक्षा प्रशिक्षण केंद्र कहती है, लेकिन कई पूर्व बंदियों और मानवाधिकार समूहों के अनुसार, ये वास्तव में राजनीतिक और धार्मिक ब्रेनवाशिंग के केंद्र हैं। इन शिविरों में लाखों उइगरों और अन्य अल्पसंख्यक मुसलमानों को बिना किसी मुकदमे के कैद किया गया है। यहाँ उन्हें अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को त्यागने, मंदारिन भाषा सीखने, और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी की शपथ लेने के लिए मजबूर किया जाता है। यौन उत्पीड़न, यातना, और जबरन नसबंदी की खबरें भी इन शिविरों से सामने आई हैं, जो मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हैं। इन शिविरों के बाहर भी उइगरों की धार्मिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर कड़े प्रतिबंध हैं। मस्जिदों को ढहाया जा रहा है या उनकी वास्तुकला को चीनी शैली में बदल दिया जा रहा है। बच्चों के अरबी नाम रखने पर प्रतिबंध है। कुरान जैसे धार्मिक ग्रंथों को जब्त किया जा रहा है। उइगर भाषा के उपयोग को हतोत्साहित किया जा रहा है और बच्चों को स्कूलों में मंदारिन भाषा सीखने के लिए मजबूर किया जा रहा है। निगरानी तंत्र बहुत व्यापक है। निगरानी तंत्र में चेहरे की पहचान करने वाले कैमरे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का उपयोग किया जाता है। उइगरों के घरों में चीनी अधिकारियों को रिश्तेदार बनाकर रहने के लिए भेजा जाता है, जो उनके व्यवहार पर नजर रखते हैं । उनकी धार्मिक प्रथाओं की निगरानी करते हैं। चीन पर यह भी आरोप है कि वह उइगरों को जबरन श्रम में लगा रहा है। कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों, विशेष रूप से कपड़ा और कपास उद्योग पर आरोप है कि वे उइगरों द्वारा जबरन श्रम से बने उत्पादों का उपयोग करती हैं।

माधव कृषि महाविद्यालय में 'नर्सरी स्थापना' विषय पर एक दिवसीय महिला प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

द डेसिंग्रग

आबूरोड ।माधव विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में "नर्सरी स्थापना" विषय पर एक दिवसीय महिला प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में ग्राम भारजा की 25 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें नर्सरी स्थापित करने की विधियाँ एवं नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चांसलर हिम्मत सिंह देवल ने कहा कि किसानों द्वारा नवीन कृषि तकनीकों का उपयोग देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। आज का किसान नई तकनीकों का प्रयोग कर अधिक उत्पादन एवं लाभ अर्जित कर रहा है। प्रेसिडेंट प्रो. (डॉ.) राजीव माथुर ने कहा कि नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी किसानों के लिए अत्यंत आवश्यक है। हमारे कृषि वैज्ञानिक समय-समय पर इन तकनीकों को किसानों तक पहुँचाते रहते हैं, और इस दिशा में माधव विश्वविद्यालय उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कृषि तकनीकियाँ आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित की जा रही हैं, जो किसानों के कल्याण और कृषि विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. महेन्द्र सिंह परमार ने कहा कि नर्सरी स्थापना किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इससे किसान पूरे वर्षभर के लिए पौध तैयार कर सकता है तथा बड़े पैमाने पर पौधारोपण हेतु उपयुक्त पौधे नर्सरी में तैयार किए जा सकते हैं। एनएसएस प्रभारी

डॉ. देवेंद्र मुजाल्दा ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का उपयोग कर किसान नर्सरी में उत्कृष्ट पौध सामग्री तैयार कर सकता है, जिससे उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ खर्चों में भी कमी लाई जा सकती है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) गीतम सिंह ने कहा कि कृषि तकनीकियाँ सदैव किसानों के हित एवं कल्याण के लिए विकसित की जाती हैं। इन तकनीकों का लाभ समय-समय पर किसानों को मिलता रहता है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा उपयोगी तकनीकों पर अनुदान एवं निःशुल्क प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की जाती है। उन्होंने प्रशिक्षण प्रदान करने वाले शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि नर्सरी स्थापना पर यह प्रशिक्षण अत्यंत उपयोगी और सफल रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सीताराम सीरवी, उद्यानिकी विभाग के डॉ. विशाल कुमार चौधरी, कैलाश परिहार, डॉ. शिखर देसाई सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

माधव विश्वविद्यालय में 'विशेष शिक्षा - नई शिक्षा नीति 2020' पर राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन

द डेसिंग्रग

आबूरोड । माधव विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की ओर से "विशेष शिक्षा - नई शिक्षा नीति 2020" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का भव्य आयोजन किया गया। यह वेबिनार शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता डॉ. जितेन्द्र तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ तथा इसका समन्वयन डॉ. पिनल पुजारा ने किया। ज्ञान और चिंतन से परिपूर्ण यह आयोजन प्रातः 11 बजे उद्घाटन सत्र से प्रारंभ होकर सायं 5 बजे तक निरंतर चलता रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ माधव विश्वविद्यालय के कृषि संकाय अधिष्ठाता डॉ. गीतम सिंह ने किया। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए विषय की सार्थकता पर प्रकाश डाला। देशभर से शिक्षाविदों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों ने ऑनलाइन जुड़कर इस वेबिनार में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विचारों का यह प्रवाह न केवल शिक्षा नीति के सिद्धांतों को जीवंत करता दिखाई दिया, बल्कि शिक्षा में मानवीय संवेदना को प्रोत्साहित करने वाला रहा। वेबिनार के विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत समावेशी शिक्षा की अवधारणा पर गहन विचार-विमर्श किया। डॉ. धनंजय देशमुख ने "नई शिक्षा नीति 2020 : समान और समावेशी शिक्षा" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सच्ची शिक्षा वही है जो प्रत्येक वर्ग, क्षमता और परिस्थिति के विद्यार्थियों तक समान रूप से पहुँचे। उन्होंने समावेशी शिक्षा को समाज की नैतिक जिम्मेदारी बताया। इसके पश्चात् डॉ. हेमंत मौर्य

ने "नई शिक्षा नीति 2020 की दृष्टि से उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका" विषय पर उच्च शिक्षा संस्थानों की नई दिशा, नवाचार और अनुसंधान की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 शिक्षा जगत में लचीलापन और सृजनशीलता का सशक्त माध्यम है। डॉ. राम सकल सहानी ने "नई शिक्षा नीति 2020 और दिव्यांग अधिकार" विषय पर वक्तव्य देते हुए दिव्यांगजनों के अधिकारों, उनकी पहुँच और सशक्तिकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उनके विचारों ने नीति और संवेदना के संतुलन को रेखांकित किया। वहीं सुश्री जागृति जोशी ने "विशेष शिक्षा की चुनौतियाँ : नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में" विषय पर विशेष शिक्षा की जमीनी चुनौतियों एवं नीति स्तर पर उनके समाधान पर अपने सारगर्भित विचार साझा किए। उन्होंने शिक्षकों के लिए संवेदनशीलता और व्यावहारिक प्रशिक्षण को अत्यंत आवश्यक बताया।

साइबर ठग चीनी एप से रख रहे पुलिस पर नजर:हर एक्शन का मिल जाता है अलर्ट, 9 महीने में 300 करोड़ से ज्यादा ठगे

द डेसिंग्रग

साइबर ठग चीन में बने एक एप से पुलिस को चकमा दे रहे हैं। इस एप के जरिए ठगों को पहले ही अलर्ट मिल जाता है कि पुलिस कौन सा खाता फ्रीज करवाने वाली है। यही कारण है कि राजस्थानियों से 9 महीने में 3 अरब 38 करोड़ रुपए की ठगी हो चुकी है। अभी तक पुलिस महज 2 करोड़ 22 लाख रुपए की राशि ही रिकवर कर पाई है। यह चौंकाने वाला खुलासा भिवाड़ी पुलिस के हत्थे चढ़े 122 करोड़ की साइबर ठगी के मास्टरमाइंड अंकित शर्मा ने किया है। अंकित बैंक खाते किराए पर लेकर चीन में बैठे ठगों को उपलब्ध करवाता था। उसने पूछताछ में बताया कि ठगी का पैसा जिन खातों में डाला जाता था, वो सभी उस सॉफ्टवेयर से लिंक कर दिए जाते थे। किस खाते में कितने रुपए जमा हो रहे हैं, कितने निकाले गए हैं, इसे लाइव देख सकते हैं।शिकायत होने के बाद साइबर पुलिस उन खातों को फ्रीज करवाने की कोशिश करती थी तो उस सॉफ्टवेयर (एप) के जरिए पहले ही पता चल जाता था।

भास्कर ने गिरोह के ठगी के पैटर्न की पड़ताल की। पढ़िए संडे बिग स्टोरी में पढ़िए- कैसे साइबर ठग पुलिस से भी 2 कदम आगे चल रहे हैं।

सैनिक की बुद्धि और तकनीक की शक्ति मिलाकर भारत ने तैयार की निर्णायक रक्षा क्षमता

21वीं सदी के युद्ध अब केवल बंदूकों और तोपों की ताक़त से नहीं, बल्कि तकनीक, गति और सटीकता से तय हो रहे हैं। ड्रोन, स्मार्ट हथियार, सॉफ्टवेयर-आधारित रेडियो और सैटेलाइट निगरानी जैसे साधन अब आधुनिक युद्ध का चेहरा बदल रहे हैं। इसी दिशा में भारत ने दो बड़े कदम उठाए हैं— पहला, थलसेना के पैदल सैनिकों का तेज़ी से आधुनिकीकरण और दूसरा- रक्षा मंत्रालय की ओर से 79,000 करोड़ रुपये की नई रक्षा खरीद को मंजूरी। ये दोनों फैसले मिलकर भारत की सामरिक दिशा और उसकी सुरक्षा नीति का नया चेहरा पेश करते हैं। भारतीय थलसेना, जो 11.5 लाख जवानों की सबसे बड़ी शाखा है, लंबे समय से आधुनिक उपकरणों की कमी से जूझ रही थी। अब सेना इन 382 इन्फैंट्री बटालियनों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में जुटी है। इसमें नए स्नाइपर राइफल्स, मशीनगन, कार्बाइन, टैंक-रोधी मिसाइलें, और सॉफ्टवेयर-डिफाइंड रेडियो सिस्टम शामिल हैं। साथ ही, सेना ने 'भैरव' नाम से नई लाइट कमांडो इकाइयाँ और 'आशनी' नाम से ड्रोन प्लाटून भी खड़ी की हैं। यह बदलाव दिखाता है कि भारत अब अपनी पारंपरिक सैन्य क्षमता को टेक्नोलॉजी से जोड़कर एक नई शक्ति-संतुलन रचना चाहता है। थलसेना के इन्फैंट्री प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार ने हाल ही में कहा कि अब ध्यान "lethality, mobility, transparency और survivability" पर है। इसका सीधा मतलब है कि अब हर पैदल सैनिक को एक weapon system के रूप में देखा जा रहा है यानी सैनिक केवल आदेश पालन करने वाला नहीं, बल्कि एक सशक्त डिजिटल योद्धा है।'शूट-टू-किल' की नई रणनीति के साथ 7.62 मिमी की राइफलें और .338 स्नाइपर राइफलें सेना के हाथ में दी जा रही हैं। यह बदलाव केवल हथियारों का नहीं, बल्कि मानसिकता का भी संकेत है कि अब भारतीय सेना प्रतिरोध नहीं, निर्णायक आक्रमण की सोच रखती है। दूसरी ओर, रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में 79,000 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद योजनाओं को मंजूरी दी है।

यह सभी परियोजनाएँ मिलकर भारत की तीनों सेनाओं को आधुनिक युद्ध के हर मोर्चे पर सक्षम बनाने जा रही हैं। इस रक्षा खरीद की एक बड़ी

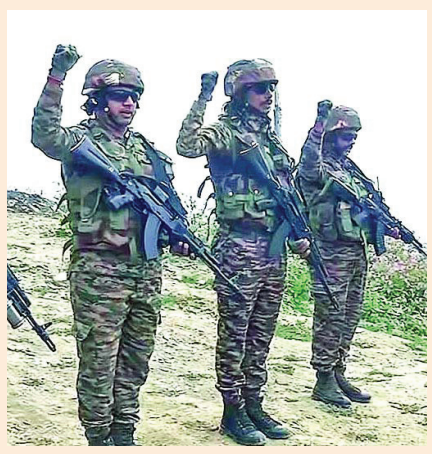

'शूट-टू-किल' की नई रणनीति के साथ 7.62 मिमी की राइफलें और .338 स्नाइपर राइफलें सेना के हाथ में दी जा रही हैं। यह बदलाव केवल हथियारों का नहीं, बल्कि मानसिकता का भी संकेत है कि अब भारतीय सेना प्रतिरोध नहीं, निर्णायक आक्रमण की सोच रखती है।

विशेषता यह है कि इसका अधिकांश भाग 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत स्वदेशी उत्पादन पर आधारित है। भारत न केवल आयात पर निर्भरता घटा रहा है, बल्कि अब खुद रक्षा उत्पादन का केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है। Bharat Forge, Adani Defence-Israel JV जैसे साझेदार इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इससे न केवल घरेलू रक्षा उद्योग को बल मिलेगा, बल्कि भारत वैश्विक रक्षा बाज़ार में भी प्रतिस्पर्धी स्थिति हासिल कर सकेगा। अब सवाल है कि इन निर्णयों का सामरिक अर्थ क्या है? देखा जाये तो सबसे पहले, यह कदम भारत के लिए द्वि-मोर्चा सुरक्षा तैयारी को मज़बूत करता है। चीन और पाकिस्तान दोनों से एक साथ संभावित चुनौती की स्थिति में अब भारतीय सेना के पास तेज़ और निर्णायक प्रतिक्रिया की क्षमता होगी। दूसरा- ड्रोन, एंटी-टैंक मिसाइल और डिजिटल नेटवर्क जैसी तकनीकें सीमित सैनिक बल से भी अधिकतम प्रभाव पैदा कर सकती हैं। तीसरा- यह कदम भारत को वैश्विक सुरक्षा भागीदारों के बीच एक टेक्नोलॉजिकल मिलिट्री पॉवर के रूप में स्थापित करता है।

सामरिक दृष्टि से यह आधुनिकीकरण दक्षिण एशिया में शक्ति-संतुलन को भी बदल सकता है। जहां चीन अपनी सेना को 'ड्रू वॉरफेयर' और स्वायत्त हथियारों से लैस कर रहा है, वहीं भारत ने एक व्यावहारिक रणनीति अपनाई है— मानव और मशीन का संयोजन। भारत न तो पूरी तरह स्वचालित युद्ध की ओर भाग रहा है, न ही पारंपरिक सोच में अटका हुआ है। वह एक संतुलित मॉडल बना रहा है, जिसमें सैनिक की बुद्धि और तकनीक की शक्ति मिलकर निर्णायक क्षमता तैयार करती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत के यह कदम केवल रक्षात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक संकेत भी हैं। जब भारत सीमाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया, हाइब्रिड वॉरफेयर और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस के लिए नए सिस्टम तैयार कर रहा है, तो यह केवल किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए संदेश है कि दक्षिण एशिया में अब भारत "Security Provider" की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। कुल मिलाकर देखें तो बदलती युद्धभूमि का यह रूप भारत के सैन्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रतीक है। जहां कभी 'बूट्स ऑन ग्राउंड' की अवधारणा पर्याप्त मानी जाती थी, वहीं आज 'ब्रेन इन स्काई' यानी तकनीकी दृष्टि से लैस बुद्धिमान सैनिक ही निर्णायक साबित होंगे। भारत ने इस दिशा में जो ठोस कदम उठाए हैं, वे केवल सीमाओं की सुरक्षा नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन में अपनी सक्रिय भूमिका का भी संकेत हैं। नई सदी के इस दौर में जब ड्रोन हवा में और डेटा युद्ध के मैदान में निर्णायक बन चुका है तब भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह केवल दर्शक नहीं, बल्कि इस बदलती युद्धभूमि का रणनीतिक खिलाड़ी है।

गठबंधन राजनीति का धर्म

आखिरकार बिहार में विपक्षी दलों के मोर्चे महागठबंधन ने राजद नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर दिया। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि अभी तक ऐसा नहीं हो सका तो कांग्रेस की अनिच्छा के कारण। इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस को अभी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म जानना है। आखिर वह यह साधारण सी बात क्यों नहीं समझ सकी कि बिहार में राजद ही मुख्य विपक्षी दल है और तेजस्वी यादव उसके सर्वमान्य नेता। कांग्रेस की मानें तो उसने महागठबंधन की एकजुटता के लिए यह घोषणा की। इसका मतलब है कि इस घोषणा में देर करके उसने अभी तक अपने ही गठबंधन की एकजुटता को कमजोर करने और समर्थकों के बीच संशय फैलाने का काम किया। क्या यह अच्छा नहीं होता कि वह पहले ही तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के दावेदार के रूप पेश करने पर सहमत हो जाती और वह भी तब, जब इसकी मांग हो रही थी? क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। तेजस्वी यादव को सीएम पद का प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी को जिस तरह डिप्टी सीएम के रूप में आगे लाया गया, उससे उनकी राजनीतिक हैसियत का अनुमान लगता है, लेकिन उनकी पार्टी तो महज 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस उससे चार गुने से अधिक सीटों पर। हालांकि अशोक गहलोत ने यह कहा कि और भी डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे, पर इससे यह संदेश ओझल नहीं होता कि कांग्रेस की राजनीतिक ताकत वीआइपी से भी कम है। नि:संदेह अशोक गहलोत की घोषणा से महागठबंधन और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे राजद को लाभ मिल सकता है, लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि अब इस गठबंधन में सब कुछ सही हो गया है। महागठबंधन के 10 से अधिक प्रत्याशी एक-दूसरे के सामने हैं। इस विचित्र स्थिति को मैत्री मुकाबला कहा जा रहा है। आखिर यह मैत्री मुकाबला क्या होता है? ऐसे मुकाबले से यही रेखांकित होता है कि महागठबंधन के घटकों में आपसी तालमेल और विश्वास की कमी है। यह स्वाभाविक है कि भाजपा-जदयू इस कमी को तूल देंगे।

क्या मध्यप्रदेश में भी लागू होगा 'गुजरात फॉर्मूला'?

मध्य प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों यह आम चर्चा है कि क्या मध्यप्रदेश में भी 'गुजरात फॉर्मूला' लागू होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लगातार हो रहे दिल्ली दौरे को इससे जोड़ा जा रहा है, जहां वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हर बार मिलते हैं। पता चला है कि पार्टी हाई कमान भी मध्य प्रदेश में गुजरात पैटर्न पर बदलाव करने के पक्ष में है। बिहार चुनाव के बाद कभी भी मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल हो सकता है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि इस तरह के बदलाव से सरकार में नई ऊर्जा आएगी और जनता के बीच बेहतर संदेश जाएगा। बताया जा रहा है कि ऐसे कई मंत्री जो या तो बड़बोले माने जाते हैं या जिनका प्रदर्शन ठीक नहीं है, उन्हें हटाया जा सकता है। पार्टी संगठन ने ऐसे मंत्रियों की रिपोर्ट तैयार कर ली है।

पूर्व मुख्य सचिव के बेटे की शादी मुख्यमंत्री के परिवार में-मध्य प्रदेश के कभी मुख्य सचिव रहे गोपाल रेड्डी के बेटे अंशुमन के विवाह का रिसेप्शन आगामी 9 नवंबर को हैदराबाद में होगा। जानकारी के अनुसार जिस परिवार से उनके बेटे की शादी हो रही है उसका संबंध तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से है। बताया गया है कि रेवंत रेड्डी के बड़े भाई की बेटी रचना अब गोपाल रेड्डी की बहू होंगी। बता दें कि गोपाल रेड्डी मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ के कार्यकाल के आखिरी 9 दिनों यानी 16 मार्च से 24 मार्च 2020 तक मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव रहे। लेकिन, जैसे ही शिवराज सिंह चौहान फिर से मुख्यमंत्री बने, इकबाल सिंह बैंस फिर से मुख्य सचिव बन गए थे।

नहीं चल रहे आबकारी विभाग के अधिकारियों के अच्छे दिन-मध्य प्रदेश में आबकारी अधिकारियों के पिछले कुछ महीनों से अच्छे दिन नहीं चल रहे हैं। 2003 के शराब ठेका फर्जीवाड़ा मामले में आबकारी विभाग के सेवानिवृत्त उपायुक्त विनोद रघुवंशी को भोपाल की शाहपुरा पुलिस ने गत दिनों गिरफ्तार किया गया। भोपाल जिला कोर्ट ने उन्हें चार साल की सजा सुनाई थी। राज्य शासन ने प्रभारी उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता रीवा आलोक खरे को पिछले सप्ताह सस्पेंड कर दिया गया। लोकायुक्त पुलिस द्वारा खरे के विरुद्ध की गई छापेमारी में करोड़ों की संपत्ति जब्त की गई थी। लोकायुक्त पुलिस ने आबकारी विभाग द्वारा दी गई अभियोजन की स्वीकृति के बाद इसी माह खरे के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया था। इसके चलते शासन ने यह कार्रवाई की है। अलीराजपुर से इसी साल अगस्त में सेवानिवृत्त हुए आबकारी अधिकारी भदौरिया के इंदौर-ग्वालियर के ठिकानों पर मारे गए छापे के दौरान एक करोड़ रुपये से अधिक के नकद मिले हैं। इसके अलावा डेढ़ किलो सोने के बिस्किट, एक किलो सोने के आभूषण, दो किलो चांदी भी लोकायुक्त की टीम ने बरामद की है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इंदौर के दो सहायक आबकारी अधिकारियों राजीव द्विवेदी और सुखनंदन पाठक से इंदौर के फर्जी चालान घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पूछताछ की गई थी।

ईओडब्ल्यू में चल रही है जांच, सरकार ने फिर दे दी प्रमुख अभियंता को संविदा नियुक्ति!-मध्य प्रदेश सरकार में एक ऐसे प्रमुख अभियंता की संविदा नियुक्ति में वृद्धि कर दी है, जिनके खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ में जांच लंबित है। मध्य प्रदेश भवन विकास निगम में संविदा पर चल रहे प्रमुख अभियंता अनिल श्रीवास्तव की सेवा अवधि में फिर वृद्धि कर दी गई है। इस संबंध में जारी आदेश में बताया गया है कि तकनीकी कार्यों के प्रभावी पर्यवेक्षण और सुचारू संचालन हेतु प्रशासकीय सुविधा की दृष्टि से प्रमुख अभियंता मध्य प्रदेश भवन विकास निगम के पद पर नवीन नियुक्ति होने तक अस्थाई रूप से अनिल श्रीवास्तव की संविदा सेवा अवधि में वृद्धि की जाती है। श्रीवास्तव को सेवानिवृत्ति के बाद पिछले 2 साल से प्रमुख अभियंता के रूप में लगातार संविदा नियुक्ति दी जाती रही है। अब लगातार तीसरे साल फिर से संविदा नियुक्ति में वृद्धि करने से विभाग में यह चर्चा होने लगी है कि क्या अब विभाग में कोई योग्य इंजीनियर नहीं बचा है, जिसे इस पद पर बिठाया जा सके।

देश के समग्र विकास के लिए दलित महिलाओं का सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण आवश्यक – शैलेष गौतम

द डेस्प्रिंग

अलवर रामगढ / अमित भारद्वाज अलवर ।.। दलित अधिकार केन्द्र के तत्वावधान में तहसील रामगढ़ के ग्राम पाली में दलित महिला समूह की एक दिवसीय चर्चा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शैलेष गौतम, जिला समन्वयक, दलित अधिकार केन्द्र ने कहा कि भारत के सामाजिक व आर्थिक विकास में दलित महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन आज भी दलित महिलाएं जाति, वर्ग, सत्ता व गरीबी के कारण अनेक प्रकार के भेदभाव, हिंसा और शोषण का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और जागरूकता के अभाव में महिलाएं अपने अधिकारों से वंचित रह जाती हैं। महिलाओं को कानून, संविधानिक अधिकारों और जेंडर बजट की समझ विकसित करते हुए लघु उद्योग, स्वरोजगार और सामूहिक संगठनों के माध्यम से आगे बढ़ना चाहिए।

सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट दिनेश गौतम ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा पारित एससी/एसटी डेवलपमेंट फंड एक्ट, 2022 एक ऐतिहासिक कानून है, जिसका उद्देश्य दलित एवं आदिवासी समुदाय के सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत यदि 50 प्रतिशत बजट राशि दलित महिलाओं के विकास कार्यक्रमों में व्यय की जाए, तो यह ग्रामीण स्तर पर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम होगा। उन्होंने बताया कि

इस फंड का उपयोग महिला स्व-सहायता समूहों, लघु उद्योगों, शिक्षा व प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किया जाना चाहिए, ताकि महिलाएं अपनी आजीविका स्वयं सृजित कर सकें और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। महिला सखी नीलम देवी ने कहा कि समाज में आज भी दलित महिलाओं को न केवल सामाजिक बल्कि पारिवारिक स्तर पर भी कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं के साथ हो रहे भेदभाव और असमान व्यवहार के कारण उनका आत्मविश्वास कमजोर होता है और वे निर्णय लेने की प्रक्रिया से वंचित रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि हर महिला को अपने अधिकारों, कानूनों और सरकारी योजनाओं की जानकारी होना जरूरी है, ताकि वे अपनी बात निडर होकर रख सकें। उन्होंने सभी महिलाओं से आह्वान किया कि वे आपसी एकजुटता बनाए रखें, संगठित होकर अन्याय व भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं, और गांव-गांव में महिला नेतृत्व को मजबूत करें।

बैठक में तौफली देवी, सावित्री, रिंकी, कृष्णा, सोना देवी, प्रेम गौतम, सोनबाई सहित अनेक महिला सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए और स्थानीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण के लिए संयुक्त प्रयासों पर सहमति जताई

कचरा निस्तारण के लिए ग्राम पंचायत डाबी की शानदार पहल

स्वच्छ भारत मिशन के तहत पूर्व सरपंच रामनिवास गुर्जर ने डाबी में कचरा टिपर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

द डेस्प्रिंग

बून्दी। जिले के डाबी कस्बे में स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत मिशन योजना के तहत ग्राम पंचायत डाबी में कचरा टिपर को पूर्व सरपंच रामनिवास गुर्जर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पर पूर्व सरपंच रामनिवास गुर्जर ने कहा कि भारत सरकार के स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत मिशन के सपने को साकार करने और स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायत डाबी के घर घर जाकर कचरा टीपर कचरा एकत्रित करेगा।वही क्षेत्र में जगह जगह लगे कचरे के ढेर और गंदगी से लोगों को राहत मिलेगी। पूर्व सरपंच रामनिवास गुर्जर ने कहा कि यदि कहीं

अतिक्रमण भी होगा तो ग्राम पंचायत अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही भी करेगी। इस दौरान दयाराम गुर्जर,सरपंच प्रतिनिधि मांगीलाल भील, मनोज शाक्यवाल,फौज सिंह,चेतन राठौर, सुरेश शर्मा, अभय शर्मा, रूप सिंह चैहान, घनश्याम प्रजापत, सूरजमल बैरागी, शिवराज कच्छावा, हेमराज सेन, जगदीश मेघवाल, रमेश शर्मा,रमेश भारद्वाज, शिव शर्मा, अशोक शर्मा आदि मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी रविवार को खाटू श्याम जी आएंगी

द डेस्प्रिंग

सीकर। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी 26 अक्टूबर, 2025 (रविवार) को खाटूश्यामजी आएंगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर रतन कुमार ने बताया कि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी दोपहर 1:15 बजे ग्राम गदड़ी, बधाल जयपुर से प्रस्थान कर दोपहर 1:30 बजे श्री खाटूश्याम जी मंदिर, सीकर पहुंचेंगी तथा खाटूश्यामजी मंदिर में पूजा दर्शन कर मंदिर परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र का निरीक्षण करेंगी। उप मुख्यमंत्री दोपहर 2:30 बजे खाटूश्यामजी से जयपुर के लिए प्रस्थान कर जाएगी ।

क्रॉस फिट टीम निवाई ने जीता फाइनल मैच आशीष बने मेन ऑफ द मैच

द डेस्प्रिंग

निवाई/अशोक लांगडी ।कस्बे के ग्राम हनोतिया बुजुर्ग मे चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल शनिवार को हुआ। कमेटी के राकेश मीना ने बताया कि फाइनल मैच क्रॉस फीट जिम टीम वर्सेस निवाई के बीच हुआ। जिसमें क्रॉस फीट जिम टीम विजेता बनी। फाइनल मैच में क्रॉस फीट जिम ने निवाई को 30 रन से हराया। प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि चतुर्भुज सिंह राजावत रहे। जिन्होने विजेता टीम को पुरस्कार राशि व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस दौरान कप्तान नरेंद्र सिंह राजावत, राकेश मीना, मेहुल शर्मा, रविंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

बाबा श्याम के जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक, व्यवस्थाओं पर हुआ मंथन

द डेस्प्रिंग

सीकर । सीकर जिले के खाटूश्यामजी कस्बे में बाबा श्याम के देव उठनी एकादशी पर जन्मोत्सव को लेकर खाटू धाम में बढ़ने वाली भीड़ और व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के उद्देश्य से शनिवार को थाना परिसर में विभिन्न संस्थाओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीवाईएसपी संजय बोथरा व थानाधिकारी पवन कुमार चौबे ने व्यापार मंडल, प्राइवेट बस यूनियन, होटल, गेस्ट हाउस एवं धर्मशाला संचालकों के साथ विस्तृत चर्चा की।बैठक में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने दर्शन व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन तथा पेयजल और पार्किंग जैसी सुविधाओं को सुचारू रखने पर कई सुझाव दिए। बैठक के दौरान थानाधिकारी पवन कुमार चौबे ने कहा कि 30 अक्टूबर को कस्बे में वाहनों को प्रवेश निषेध किया गया। रोजमर्रा का सामान दुकानदार पहले ही मंगवा ले जिससे असुविधा न हो आम जरूरतों के लिए अलग से व्यवस्था की गई।

31अक्टूबर से ही खाटूश्यामजी - रींगस सड़क मार्ग को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है, वहीं तोरण द्वार परिसर के 50 मीटर का दायरा में बैरीकेडिंग कर कवर किया जाएगा, जिससे आतिशबाजी पर नियंत्रण किया जा सके, श्रद्धालुओं को लामिया तिराहे से लखदातार मेला मैदान होते 40 फुट नया रास्ता से 75 फीट रास्ते की 14 कतारों से होकर दर्शन करवाए जायेंगे। मुख्य बाजार में जगह–जगह चैन लगाकर नियंत्रण किया जायेगा स्थानीय लोगों को आईडी दिखाने के बाद आने जाने दिया जायेगा। यातायात व्यवस्था को लेकर छोटे वाहनों को एन एच 52 से शाहपुरा होते हुए प्रवेश दिया जाएगा वापसी में मंढ़ा देते हुए वापस भेजा जाएगा,रूट व रोडवेज बसें सांवलपुरा देते हुए गौशाला से मंढ़ा रोड़ से अपने अपने निर्धारित बस स्टैंड तक आ सकते हैं और वापसी मंढ़ा रोड़ देते जा सकते हैं। वहीं सीकर से आने वाले साधन व बाहरी बसों का संचालन सांवलपुरा देते हुए सांवलपुरा पार्किंग में ठहराव किया जायेगा लामिया रोड़ से आने वाले साधनों को सीताराम पुरा की पार्किंग में ठहराव किया जायेगा तो दांता की तरफ से आने वाले साधनों को श्रीधाम धर्मशाला के पास पार्किंग में ठहराव किया जायेगा, वहीं भीड़ बढ़ने पर 31 अक्टूबर को मुख्य बाजार लक्ष्मी मिष्ठान भंडार के पास टीनशैड लगाकर बंद कर वार्षिक मेले के तर्ज पर व्यवस्था की जायेगी। धर्मशाला संचालकों तथा बस यूनियन प्रतिनिधियों को श्रद्धालुओं को उचित मार्गदर्शन,पार्किंग और रहने-ठहरने की व्यवस्थाओं के साथ साथ जन्मोत्सव पर होनी वाली आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाकर पुलिस व प्रशासन का सहयोग करने के निर्देश दिए गए।अधिकारियों ने सभी से आयोजन में समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की ताकि जन्मोत्सव के दौरान दूर-दूर से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। इसके साथ ही सुरक्षा, स्वच्छता एवं ट्रैफिक व्यवस्था को मजबूत रखने पर विशेष जोर दिया गया।बैठक के दौरान थाना परिसर में अलग-अलग चरणों में सभी समूहों के साथ चर्चा की गई। श्वान द्वारा श्रद्धालुओं के साथ आये बालक व बालिका काटने के मामले को लेकर तुरंत कार्रवाई करते हुए कार्यवाहक ईओ व तहसीलदार महिपाल सिंह राजावत ने निराश्रित पशुओं को पकड़ने के लिए नगर पालिका प्रशासन द्वारा टीम बनाकर पकड़ने के आदेश दिए गए हैं।

शक्तिफार्म के निर्मल नगर 20 कार्टर में अवैध मिट्टी खनन रोकने में प्रशासन फेल

शक्तिफार्म के निर्मलनगर में दिन रात चल रहा अवैध मिट्टी खनन

द डेस्प्रिंग

सितारगंज/ (दीपक भारद्वाज) शक्तिफार्म के निर्मल नगर 20 क्वार्टर में प्रशासन की आंखों में धूल झोंक कर अवैध मिट्टी खनन क्षेत्र में जारी है मिट्टी खनन माफियाओं ने अवैध मिट्टी खनन को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदारों के आसपास मुखबिर का जाल फैला रखा है। प्रशासन अवैध मिट्टी खनन कारोबारियों की चौकसी को तोड़ नहीं पा रहा है। जबकि डीएम ने अवैध मिट्टी और रेत खनन की रोकथाम के लिए टीमें गठित कर रखी है। शक्तिफार्म क्षेत्र के निर्मल नगर 20 क्वार्टर में अवैध मिट्टी खनन का खेल बड़े पैमाने पर चल रहा है। क्षेत्र के उपजाऊ खेतों को खोदकर मिट्टी खनन माफिया मुख्य सड़कों से ट्रैक्टर ट्राली, डंपर वाहन आसानी से डिमांड तक पहुचाये जा रहे हैं। जिन पर प्रशासन अंकुश नहीं लगा पा रहा है। सूत्रों के अनुसार अवैध मिट्टी खनन माफियाओं ने सरकारी कार्यालयों के बाहर मुखबिरों का जाल बिछा रखा है। जो प्रशासन की हर हरकत की निगरानी करते रहते है। प्रशासन की इस लापरवाही के कारण प्रतिबंध होने के बावजूद अवैध मिट्टी खनन के कार्यों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन को कई बार शक्ति फार्म में हो रहे मिट्टी खनन की सूचना दी लेकिन प्रशासन ने संज्ञान नहीं लिया जिसे जहां सरकार को राजस्व का घाटा हो रहा है, गाँव की सड़क टूट रही हैं, जेसीबी व खुरपा मशीन के द्वारा घंटे में ही काफी मिट्टी का उठान कर लिया जाता है, कार्यवाही के नाम पर तहसील प्रशासन सिर्फ कुछ लोगों पर पेनल्टी लगाकर कार्य की खानापूर्ति कर लेता है वही मिट्टी खनन के मामले में जिम्मेदार लेखपाल मोहम्मद इसराइल अवैध खनन की पुष्टि करने के बाद भी जांच को आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं वही लोगो का कहना है कि लेखपाल की मिली भगत से मिट्टी खनन का कार्य लगातार चल रहा है मिट्टी खनन की कार्रवाई को आगे नहीं बढ़ा रहे हैं ।

कोसे लाव हिंगोटिया हनुमान में दीपोत्सव पर रामा श्यामा कार्यकम का भव्य आयोजन हुआ

द डेस्प्रिंग

नगराज वैष्णव । कोसे लाव गांव में दीपोत्सव के पावन अवसर पर हिंगोटिया हनुमान में पारंपरिक "रामा-श्यामा" कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, शुभचिंतक, स्नेही मित्रगण व ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सुरेन्द्र भाई परमार ने दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान दीप प्रज्वलन और आरती के साथ हुआ, जिसके बाद हनुमान परिसर दीपों की जगमगाहट से आलोकित हो उठा। हर दिशा में दीपों की रौशनी, रंग-बिरंगी पारंपरिक रंगोलियाँ और पुष्प सजावट से वातावरण अत्यंत मनमोहक दिखाई दे रहा था। ग्रामवासियों व उपस्थित अतिथियों ने आपसी स्नेह, सौहार्द और भाईचारे के माहौल में दीपोत्सव की खुशियाँ साझा कीं। सुरेन्द्र भाई परमार ने स्वयं उपस्थित सभी जनों का स्वागत करते हुए कहा कि दीपावली केवल प्रकाश का पर्व नहीं, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। उन्होंने समाज में एकता, प्रेम और सहयोग की भावना को सशक्त करने का संदेश दिया। इस

अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी को भोजन करवाकर दीपावली की मंगलकामनाएँ दीं। बच्चों व युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया-कई बालकों ने आतिशबाजी और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए, और भी आध्यात्मिक बना दिया। दीपावली के इस पर्व पर परिवार की ओर से हनुमान हिंगोटीया परिसर में विशेष सजावट की गई थी- और दीपमालाओं की श्रृंखला से प्रवेश द्वार भव्य दिख रहा था। समारोह में उपस्थित अतिथियों में वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और बच्चों सभी ने मिलकर एकता और सौहार्द का संदेश दिया। कोसे लाव सहित आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोगों ने भी इस उत्सव में भाग लेकर दीपोत्सव की आनंदमयी संध्या को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी को भोजन प्रसादी मिठाइयाँ खिलाकर शुभकामनाएँ दीं और समाज में प्रेम, सहयोग व प्रगति की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया कोसे लाव की जगमग दीपावली ने क्षेत्रवासियों का मन मोह लिया हर ओर उल्लास, प्रकाश और उमंग का वातावरण छाया रहा उपस्थित किसान नेता हनुमान भाटी ,उप सरपंच महावीर सिंह जोघा, मधुसूदन शर्मा ,सुभाष जैन,अजयपाल, खेताराम घांची, राजु भाई मेवाडा,भावैश सैन, दिनेश मीणा भिख सिंह, किशोर माली,कान्तिलाल व्यास, ईदाराम मेगवाल, सुरेश भाग?व, डॉ मगनलाल सोलकी, घीसुलाल भाटी, अमराराम देवासी, खेताराम देवासी, देव चौधरी, जोगाराम देवासी, नारायण देवासी, डॉ हस्तीमल वैष्णव,भरत माली, दिलीप गेहलोत,आबिद भाई, अमजत खांन, रमेश दमामी,छगनलाल माली, दिनेश परमार, समस्त ग्राम वासि कोसेलाव

ओउमाश्रय सेवा धाम में श्रद्धा, सेवा और सहयोग का संगम नाश्ता प्रसादी एवं शांति यज्ञ का आयोजन

द डेस्प्रिंग

जयपुर । ओउमाश्रय सेवा धाम में रविवार का दिन श्रद्धा, सहयोग और सेवा भाव से परिपूर्ण रहा। ओउमाश्रय के सतत सहयोगी मनीष सुकलेचा (पेप्स गद्दे निर्माता कंपनी संचालक) एवं श्रीमति कविता सुकलेचा ने प्रभुजनों के लिए नाश्ता प्रसादी का आयोजन रखा। ओउमाश्रय परिवार ने उनके इस सत्कार भाव के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इसी दिन स्व. कन्हैयालाल गर्ग की चौथी पुण्यतिथि पर ओउमाश्रय सेवा धाम परिवार ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर धर्मपत्नी श्रीमति शारदा गर्ग, पुत्र गिरीश गर्ग एवं श्रीमति प्रीति, पवन कुमार एवं श्रीमति पूजा गर्ग, तथा सुशील एवं श्रीमति वर्षा गर्ग ने ओउमाश्रय की भव्य यज्ञशाला में शांति यज्ञ एवं भोजन प्रसादी का आयोजन रखा।

सेवा और स्वास्थ्य का संगम

आश्रम में होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अविल जैन (स्नातकोत्तर, अनुसंधानरत) ने दो घंटे तक प्रभुजनों का परीक्षण, परामर्श एवं निःशुल्क दवा वितरण किया। आश्रम की आंतरिक व्यवस्था संभालने वाले प्रकाश प्रभुजी एवं प्रदीप कुमार सैनी ने पभुजनों की गतिविधियों और स्वास्थ्य परिवर्तनों की जानकारी दी।

जन्मदिन पर शुभकामनाएं और दान

प्रसिद्ध आर्य समाजी स्व. सरस्वती प्रसाद गोयल के प्रपौत्र चिरंजीव प्रत्यूष (पुत्र सुधांशु गोयल) को जन्मदिन (25 अक्टूबर) पर ओउमाश्रय परिवार ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उन्हें ओजस्वी, तेजस्वी, यशस्वी और आयुष्मान होने का आशीर्वाद दिया। इस उपलक्ष्य में परिजनों ने ?2100 की भेंट अर्पित की।

सहयोग की श्रृंखला में मधुर योगदान

राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के पूर्व एम.डी. मुकेश वंशल की धर्मपत्नी द्वारा भेजे गए नींबू-आंवले के अचार-मुरब्बे का प्रभुजनों ने आनंदपूर्वक रसास्वादन किया।

नया प्रभुजी ओउमाश्रय में पहुँचा

मुहाना थाना पुलिस द्वारा नया प्रभुजी क्रमांक 120, सतनाम सिंह (पंजाब निवासी) को ओउमाश्रय भिजवाया गया। चोटों के कारण वे कड़ा नहीं उतार पा रहे थे। डॉ. सुनीता गुप्ता ने उनका तत्काल उपचार

प्रारंभ किया। पुलिस व सेवा साथी प्रदीप सैनी के सहयोग से उन्हें सुरक्षित आश्रय मिला।

ओउमाश्रय सेवा धाम परिवार ने दिनभर की इन पुण्य गतिविधियों में सहभागी सभी परिजनों, सहयोगियों एवं चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया और कहा –**यही ओउमाश्रय का उद्देश्य है** – सेवा, श्रद्धा और सत्कार में जीवन का सार ढूँढना।"

धौलपुर पुलिस ने 'ए' श्रेणी की नाकाबन्दी कर संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की गहनता से की गई चैकिंग।

नाकाबंदी के दौरान जिले भर में करीब 1200 वाहनों को किया गया चैक, नाकाबंदी के दौरान 149 वाहनों को किया गया जब्त

धौलपुर विजय श्रीवास्तव द डेस्प्रिंग न्यूज़

महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज, भरतपुर कैलाश विश्नोई आईपीएस के निर्देशन एवं जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के नेतृत्व में जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति को और अधिक मजबूत करने एवं अपराधियों एवं आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए कल दिनांक 24.10.2025 को रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 10:00 तक जिलें में "ए" श्रेणी की प्रभावी नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की गहन चैकिंग कर नियमानुसार कार्यवाही कराई गई है। मनोज शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धौलपुर व कमल कुमार जांगिड़ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ मुख्यालय बाड़ी एवं समस्त वृताधिकारीगण जिला धौलपुर के सुपरविजन में जिले के समस्त थानाधिकारीगणो के नेतृत्व में जिले में "ए" श्रेणी

की नाकाबंदी कर प्रभावी एवं सुनियोजित कार्यवाही की गई। नाकाबंदी के दौरान सभी संदिग्ध वाहनों की गहन तलाशी ली गई, इस दौरान जिले भर में करीब 1200 वाहनों को चैक किया गया, वाहन चालकों के दस्तावेजों की जांच की गई एवं सवार व्यक्तियों की पहचान का सत्यापन किया गया। जिले भर में की गई नाकाबंदी के दौरान 623 दोपहिया वाहनों एवं 526 चार पहिया वाहनों को गहनता से चैक किया, एमवी एक्ट का उलंघन कर रहते हुए पाये गए 149 वाहनों को सीज किया गया है। इसके साथ ही नाकाबंदी के दौरान 01 व्यक्ति को अवैध शराब ले जाते हुए, 01 स्थायी वारंटी, 09 व्यक्तियों को लोकल एवं? स्पेशल एक्ट में एवं 13 व्यक्तियों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है। जिले के वृताधिकारी गणों द्वारा अपने अपने इलाकों में पुलिस थानों द्वारा की जा रही नाकाबंदी का औचक निरीक्षण किया गया। नाकाबंदी के दौरान राजकॉप ऐप के माध्यम से वाहनों के पंजीकरण व स्वामित्व की त्वरित पुष्टि की गई। किसी भी बीमार, महिला अथवा वरिष्ठ नागरिक को अनावश्यक असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि जिले में आमजन की सुरक्षा एवं अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की धरपकड़ के लिए धौलपुर पुलिस पूरी तरह मुस्तैदी से जुटी हुई है।

उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने फतेहपुर शेखावाटी में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह में की सहभागिता

द डेस्प्रिंग

सीकर । राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को फतेहपुर शेखावाटी में आयोजित "आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह" में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम कस्बे के सूर्य मंडल परिसर में आआयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ बैरवा के साथ राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सलाहकार राजिक फरसीवाला, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री के फतेहपुर आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों द्वारा पुष्पमालाओं, साफा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात उन्होंने बुद्धगिरी मढ़ी परिसर पहुंचकर महंत दिनेश

गिरी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य समारोह में स्थानीय समाजों, महिला मंडलों एवं युवाओं ने पारंपरिक परिधानों में भाग लेते हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा स्थानीय उत्पादों एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। उप मुख्यमंत्री बैरवा ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ग्रामीण एवं स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों और उद्योगों को प्रोत्साहन देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों

को प्राथमिकता देने से न केवल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा सामाजिक एकता, स्वच्छता और विकास के प्रति सभी नागरिकों से संयुक्त प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिकारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

डायरेक्टर एटली ने विज्ञापन की दुनिया में किया डेब्यू

जब बात हो स्केल, इमोशन और स्टाइल को एक साथ जोड़ने की, तो डायरेक्टर एटली का नाम सबसे पहले आता है। वे जिस प्रोजेक्ट को हाथ लगाते हैं, उसे सिनेमैटिक मैजिक में बदल देते हैं और इसका सबूत है हाल ही में चिंग्स के लिए किया गया उनका नया विज्ञापन।गौरतलब है कि 'जवान', 'मर्सल' और 'थेरी' जैसी मेगा हिट फिल्मों के लिए जाने जाने वाले एटली ने अब विज्ञापन की दुनिया में कदम रखा है, और यहां भी उन्होंने वही ग्रैंड सिनेमाई करिश्मे का प्रदर्शन किया है और उसे लार्जर दैन लाइफ बना दिया है। 8 मिनट का यह चिंग्स विज्ञापन पारंपरिक 30-सेकंड वाले फॉर्मेट को न सिर्फ पूरी तरह तोड़ता है, बल्कि दर्शकों को एक मिनी ब्लॉकबस्टर का अनुभव भी देता है, जिसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन, ड्रामा, इमोशन और विजुअल ब्रिलियंस का तड़का लगा है। यह सिर्फ एक विज्ञापन नहीं, बल्कि आठ शानदार मिनटों में पेश किया गया मास एंटरटेनमेंट का डबल डोज़ है। अपनी कोलैबोरेशन पर बात करते हुए डायरेक्टर एटली कहते हैं, मेरे लिए हमेशा प्यार सीक्रेट इंग्रिडिएंट रहा है और चिंग्स कुछ ऐसा बनाना चाहता था, जिसे इंडिया सिर्फ देखे नहीं, बल्कि प्यार करे तो मैने बिना दो बार सोचे हां कह दिया। हालांकि इसे रणवीर की मैडनेस, बॉबी सर के मैजिक और श्रीलीला की फ्रेशनैस ने और खास बना दिया और हमने इसे बहुत दिल से पकाया। अब इसे ऑडियंस को टेस्ट करना है।
रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की दमदार मौजूदगी के साथ यह फिल्म सिनेमैटिक फ्लेयर का मास्टरक्लास है। हर फ्रेम में स्केल और स्पेक्टेकल नजर आता है, जैसे स्लो-मोशन हीरो एंट्रीज़, ड्रामैटिक लाइटिंग, एनर्जी से भरी कोरियोग्राफी और एटली की फिल्मों की तरह गूंजता बैकग्राउंड स्कोर। एटली सिर्फ डायरेक्ट नहीं करते, वे एलीवेट करते हैं। यही वजह है कि उनके निर्देशन में रणवीर सिंह अपनी पिछली विज्ञापन फिल्मों की अपेक्षा कहीं अधिक दमदार नजर आ रहे हैं।
एटली ने उनकी करिश्माई पर्सनैलिटी, इंटेंसिटी और चार्म को ऐसे कैप्चर किया है कि स्क्रीन पर आग लग जाती है और यह परफॉर्मेंस, स्टाइल और स्टोरीटेलिंग का एक परफेक्ट मिश्रण बन जाता है। हर शॉट ऊर्जा, इमोशन और ग्रैंड विजुअल्स से भरा है, जो एटली की क्राफ्ट का ट्रेडमार्क है। चाहे सिनेमा हो या विज्ञापन, उनकी स्टोरीटेलिंग हमेशा भव्य, इमर्सिव और यादगार रहती है।

शादी की शूटिंग में रीटेक हुआ, मेरी दो बार एंट्री हुई

दर्शकों की दुलारी बालिका वधू यानी ऐक्ट्रेस अविका गौर अब असल जीवन में भी वधू बन गई हैं। हाल ही में अविका ने बॉयफ्रेंड मिलिंद चांदवानी के साथ सात फेरे लिए। खास बात यह रही कि अविका और मिलिंद ने यह शादी अपने टीवी शो पति, पत्नी और पंगा के सेट पर की, जिसका साक्षी सारी दुनिया बनी। शादी के बाद अविका की यह खास बातचीत

आप अब तक पूरे देश की बालिका वधू थीं, अब सच में मिलिंद की वधू बन चुकी हैं, क्या अलग महसूस हो रहा है?

सच कहूं तो शादी को लेकर हाइप बहुत होता है। मुझे भी लगा था कि कुछ बहुत अलग होगा, पर ऐसा नहीं है। मुझे इतना कुछ बहुत ज्यादा अलग नहीं लग रहा, बस मैच्योरिटी ज्यादा लग रही है। लग रहा है कि अचानक से बड़ी हो गई हूं। इसके अलावा, बदलाव यही है कि अब हम दोनों ज़िंदगी को एक साथ देखेंगे। हमारे परिवार एक हो गए हैं। ऐसी कई बातें मन में आती हैं, जो अच्छी, पॉजिटिव बातें हैं।

आपने टीवी शो पति, पत्नी और पंगा के सेट पर शादी करने का फैसला क्यों किया? इस पर मिलिंद और आपके घरवालों की क्या प्रतिक्रिया थी?

मैं बचपन से टीवी सेट पर रही हूं। मेरी ऑडियंस ने मुझे सालों से इतना प्यार दिया है, तो मुझे लगा कि उनके पास यही एक मौका है, मेरी जिंदगी के सबसे खास पल का हिस्सा बनने का। फिर भी, मैं अकेली यह फैसला नहीं ले सकती थी, पर जब मैंने मिलिंद और हमारे परिवार वालों से इस बारे में बात की तो सब बहुत ज्यादा उत्साहित थे, क्योंकि हम इतिहास बना रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि किसी चैनल के साथ किसी का बचपन से ऐसा कनेक्शन

रहा हो, तो सभी ये यह बात समझी और सब बहुत खुश थे।

आपने कुछ शर्तें भी रखी थीं कि शादी में यह चीज़ें आपकी पसंद की होंगी?

बिल्कुल, बहुत सारी चीज़ें हैं। जैसे, हमारी शादी पूरी गुजराती रस्मों-रिवाज के साथ हुई है, जैसा हम चाहते थे। मैं चाहती थी कि लहंगा मेरी पसंद का हो, तो छोटी-छोटी चीजों से लेकर बड़ी चीज़ों तक वैसा ही हुआ, जैसा हम चाहते थे। हमने बहुत सोच समझकर प्लानिंग की थी। हम निश्चित तौर पर चाहते थे कि हमारे क्लोज फैमिली मेंबर्स भी हों तो वे भी थे। ओवरऑल मेकर्स ने ये पॉसिबल किया कि ये सिर्फ एक शो न हो, बल्कि हमारे लिए हमारी ज़िंदगी का सबसे यादगार दिन भी हो, तो सब कुछ हमारी उम्मीदों से बढ़कर रहा।

यह सब कुछ शो के तौर पर शूट हो रहा था, तो रीटेक भी हुए होंगे। कोई फनी या अटपटा रीटेक हुआ?

बिल्कुल, एक रीटेक तो मुझे याद है कि मेरी एंट्री दो बार हुई थी। ये मुझे फनी इसलिए लगती है, क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि एक बार तो मिलिंद रोएगा, मगर वो बेचारा दोनों बार रोया। मुझे बहुत अच्छा भी लगा कि उसने मेरे लिए इतना इमोशन दिखाया।

मिलिंद में ऐसी क्या खूबियां थीं, जिससे लगा कि वही आपके जीवनसाथी हैं?

वह बहुत समझदार, धैर्यवान और मैच्योर है। ये तीनों ही खूबियां मुझमें नहीं है (हंसती हैं)। वह बहुत ही सुलझा हुआ है। कोई भी मुद्दा हो, वह बहुत आसानी से उसे खत्म कर देता है तो हमारे झगड़े नहीं होते। मैं यह चीज मिस भी करती हूं लेकिन यह उसकी सुपर पावर है कि वह हर चीज को आसान बना देता है। वह हर चीज में मुझे कंप्लीट करता है। मुझे मोटिवेट करता है। अगर मेरा मन करता है कि कोई जोक मारे, मेरा मूड ठीक हो जाए, तो ऐसी बचकानी चीजों में भी मेरा साथ देता है। हम एक-दूसरे के साथ एक काफी अच्छा बैलेंस कर पाते हैं। हमें साथ में करीब छह-साढ़े छह साल हो गए हैं और हर दिन लगता है कि यह लड़का ये भी करता है। वह हमेशा मुझे इंप्रेस करने की कोशिश करता है, जो मुझे बहुत अच्छा लगता है।

थामा का दीपावली पर रिलीज होना मेरे लिए बहुत स्पेशल है

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा रिलीज हो चुकी है। इसमें वह रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दे रहे हैं। आयुष्मान ने बताया कि थामा उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म है।अभिनेता ने एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि हर साल वह अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाते थे, मगर इस बार उन्होंने अपनी फिल्म के साथ उस खुशी का अनुभव किया। इस फिल्म ने पहले दिन करीब 25 करोड़ रुपए की कमाई की। थामा के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए दीपावली की इस बड़ी छुट्टी के दौरान लोगों को थामा और मेरे अभिनय को पसंद करते और पसंद करते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, जब निर्माता दिनेश विजान ने मुझे बताया कि थामा दीपावली पर रिलीज हो रही है, तो मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि इस पल का मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था कि मेरी भी कोई फिल्म बड़े स्टार्स की तरह दीपावली पर रिलीज हो। आयुष्मान खुराना ने आगे कहा, एक ऐसा त्योहार जिस पर बड़े-बड़े सुपरस्टार अपनी फिल्में रिलीज करते आए हैं, थामा मेरे करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इसे दीपावली पर रिलीज करने का मौका मिला। हर साल मैं अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाता था। इस बार मैं अपने परिवार के साथ अपनी फिल्म देखने सिनेमाघरों में गया। यह अविश्वसनीय लगता है। आयुष्मान खुराना ने निर्माता दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने मुझ पर एक ऐसे किरदार को निभाने का भरोसा दिखाया, जिसके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है। एक बेताल के रूप में मेरे किरदार को दर्शकों द्वारा देखा जाना और सराहा जाना, मेरे लिए वाकई एक अद्भुत अहसास है।

नफ़रत में संदीपा धर और दर्शन रावल की केमिस्ट्री ने जीता दिल

संदीपा धर एक बार फिर दर्शकों को मोहित करने लौटी हैं अपने नए म्यूज़िक वीडियो 'नफ़रत' के साथ, जिसमें उनके साथ नज़र आ रहे हैं सोलफुल सिंगर दर्शन रावल। अपनी अभिव्यक्तिपूर्ण अदाकारी और ग्रेसफुल डांसिंग के लिए जानी जाने वाली संदीपा एक बार फिर साबित करती हैं कि वह आज के समय की सबसे बहुमुखी परफॉर्मर्स में से एक हैं।पहले ही फ्रेम से संदीपा एक अलौकिक आकर्षण बिखेरती हैं — उनकी खूबसूरती प्यार, दर्द और नाज़ुक भावनाओं के हर पहलू को सहजता से दर्शाती है। उनकी अभिव्यक्तिपूर्ण आंखें और नैचुरल स्क्रीन प्रेज़ेंस हर गीत को जीवन से भर देती हैं, जो दर्शन रावल की मधुर आवाज़ के साथ एक खूबसूरत दृश्य कविता का रूप ले लेती है। गीत के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा- 'नफ़रत' उन गानों में से एक है जो आपको प्यार के हर रंग को महसूस करने का मौका देता है। दर्शन के साथ काम करना शानदार अनुभव था; उनके संगीत में इतनी सहज भावनाएँ होती हैं कि उसमें खुद को पूरी तरह डुबो देना आसान हो जाता है। डांस हमेशा से मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहा है — यह उन भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल होता है। इस गाने में एक डांस सीक्वेंस था जिसमें मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना पड़ा, और मुझे खुशी है कि मेरा परफॉर्मेंस कहानी को और ऊंचाई देता है, 'नफ़रत' में संदीपा की एक्टिंग के साथ-साथ उनकी डांसिंग स्किल्स भी बखूबी झलकती हैं। हर मूवमेंट और जेस्चर में उनकी नफ़ासत और जुनून दिखाई देता है, जो कहानी में लय और गहराई दोनों जोड़ता है। गाने के विज़ुअल्स — मूडी, काव्यात्मक और सिनेमैटिक — उनके प्रदर्शन को और भी प्रभावशाली बना देते हैं, जिससे संदीपा वीडियो का धड़कता हुआ दिल बन जाती हैं। अब जब 'नफ़रत' रिलीज़ हो चुका है, दर्शक संदीपा धर और दर्शन रावल की खूबसूरत केमिस्ट्री को महसूस कर सकते हैं — जो एक साथ गहराई, जुनून और कोमलता से भरी है। खूबसूरती, भावना और कला का यह मेल 'नफ़रत' को सिर्फ एक म्यूज़िक वीडियो नहीं बल्कि एक अनुभव बना देता है, जो दिल में बस जाता है और यह साबित करता है कि संदीपा धर आज की सबसे मनमोहक परफॉर्मर्स में से एक हैं।

कृष 4 में विलेन का रोल करने पर रजत बेदी ने तोड़ी चुप्पी

साल 2003 में 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन के सामने मेन विलन के किरदार में एक्टर रजत बेदी नजर आए थे। अब खबरें हैं कि रजत वर्षों बाद 'कृष 4' में एक बार फिर वापसी करने वाले हैं और इस बार भी वो फिल्म के मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं। इस बात को लेकर जब अभिनेता से पूछा गया तो उन्होंने क्या कुछ कहा, चलिए आपको बताते हैं।

अभिनेता ने कृष 4 पर क्या कहा?

हाल ही में स्क्रीन के साथ एक इंटरव्यू में जब रजत से उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसे सुनकर फैंस के मन में एक उम्मीद जरूर जाग गई है। अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह खुद भी उम्मीद कर रहे हैं कि 'कृष 4' का हिस्सा बनें और अगर ऐसा हुआ, तो यह उनके करियर के लिए किसी बड़े पुनर्जन्म से कम नहीं होगा। रजत ने बताया कि उनके दिल में ऋतिक रोशन और राकेश रोशन के लिए बेहद सम्मान है और वह फिर से उनके साथ काम करने का मौका पाने के लिए दुआ कर रहे हैं।

रजत ने ऋतिक की जमकर तारीफ की

उन्होंने ऋतिक रोशन की तारीफ करते हुए कहा कि आज ऋतिक सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक इंसान हैं। रजत के शब्दों में, वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनसे किसी की तुलना नहीं की जा सकती- परफॉर्मेंस, लुक्स और डांस, हर चीज में वो बेस्ट हैं। रजत के इस बयान के बाद ही लोगों ने यह मान लिया कि कहीं न कहीं, वह इस फिल्म से जुड़ चुके हैं।

रजत ने ना हां कहा और ना मना किया

कृष 4 पर बात करते हुए रजत ने कहा, मैं तो दुआ कर रहा हूं कि ऐसा हो। अगर ऐसा कुछ हुआ, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होगा। ऑडियंस मुझे और ऋतिक को दोबारा स्क्रीन पर साथ देखना चाहती है। मैं बस दुआ कर रहा हूं कि राकेश जी और ऋतिक के साथ काम करने का मौका मिले। मेरे दिल में उन दोनों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान है।

लंबे समय से एक्टिंग से थे दूर

अगर वाकई ऋतिक की फिल्म में रजत बेदी की वापसी होती है, तो यह नॉस्टैल्जिया का बड़ा पल होगा। रजत बेदी लंबे समय से फिल्मों से दूर रहे थे, लेकिन आर्यन खान की वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए उन्होंने हाल ही में एक मजबूत कमबैक किया है। इस सीरीज में उनका काम काफी सराहा गया और दिलचस्प बात यह है कि शो में रजत की रियल लाइफ का ही रेफरेंस देखने को मिला जहां वर्षों से उन्हें कोई इंडस्ट्री में काम नहीं देता।

सलमान कभी मेरे बॉयफ्रेंड नहीं रहे

जर्मन-पोलिश मूल की एक्ट्रेस क्लॉडिया सिएस्ला ने बिग बॉस 3 में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। वह क्या कूल हैं हम और देसी कट्टे जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। बीते कुछ समय से वह एक्ट्रेस होने के साथ ही न्यूट्रीशियनिस्ट के रूप में भी प्रैक्टिस कर रही हैं। क्लॉडिया ने सलमान खान से रिश्ते पर बेबाक बातचीत की है। क्लॉडिया का नाम एक तरफ सलमान खान से जुड़ा था, तो दूसरी तरफ बिग बॉस के कंटेस्टेंट प्रवेश राणा के साथ भी उनके लिंकअप्स की खबरें थीं। इस पर वह हंसते हुए कहती हैं, बिग बॉस 3 में, सिर्फ मैं और प्रवेश सिंगल थे, बाकी सब शादीशुदा थे। हम अच्छे दोस्त थे, लेकिन कुछ लिमिटेड फुटेज देखकर लोगों ने बातों को बढ़ा-चढ़ा दिया। जहां तक सलमान खान से नाम जुड़ने की बात है, हम सिर्फ एक पार्टी में मिले थे। न जाने कैसे अफवाह बन गई। मैं कई साल से इस बात का खंडन कर रही हूं। सलमान अच्छे इंसान और सपोर्टिव फ्रेंड हैं, मगर वो मेरे बॉयफ्रेंड नहीं हैं। मेरे बॉयफ्रेंड हैं अर्जुन गोयल, वो मेरे सोलमेट हैं। हम चाहते हैं जिंदगी साथ बिताएं और शायद आगे किसी रियलिटी शो में साथ नजर भी आएं।

हेड सबसे तेजी से 3000 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने यहां भारतीय के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। हेड ने इस मैच में जैसे ही अपना 22 वां रन बनाया। वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से एकदिवसीय में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। हेड ने इसी के साथ ही अपने ही देश के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का भी रिकार्ड तोड़ दिया। हेड भारत के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी करते आये हैं और उन्होंने कई मैचों में बदलाव किया है। हेड ने अपने 3000 रन 76वीं पारी में बनाये हैं। वहीं स्मिथ ने 79 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। इसके अलावा माइकल बेवन और जॉर्ज बेली ने ये रन 80 पारियों में पूरे किये थे। वहीं डेविड वॉर्नर ने 81 पारियों जबकि डीन जोन्स ने 82 पारियों में 3000 रन बनाये। ट्रैविस ने इस मैच में 25 गेंदों में 29 रन बनाये और वह मोहम्मद सिराज का शिकार बने। हेड ने अपनी पारी में 6 चौके लगाये। वहीं सिराज के खिलाफ वह सहज नहीं रहे है। सिराज ने अब तक 8वीं बार हेड का विकेट लिया है। हेड का सिराज के खिलाफ दमदार प्रदर्शन रहा है हालांकि इस सीरीज में अभी तक हेड असफल रहे हैं। पहले मैच में वह 8 रन जबकि दूसरे मैच में 29 रन बनाकर आउट हैं।

वियना ओपन 2025 : भांबरी–गोरोनसन की जोड़ी सेमीफाइनल में

वियना, एजेंसी। भारत के युकी भांबरी और क्रोएशिया के आंद्रे गोरोनसन ने वियना ओपन 2025 के पुरुष युगल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जोड़ी ने शुक्रवार को विश्व नंबर-2 मेटे पाविच और मार्सेलो अरेवालो की जोड़ी को क्वार्टरफाइनल में हराया। भांबरी-गोरोनसन की जोड़ी को वॉकओवर से जीत मिली, क्योंकि पाविच-अरेवालो की जोड़ी चोटिल होने के कारण मुकाबले से हट गई। मैच में पहले सेट में भांबरी और गोरोनसन 6-7(6) से पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-4 से जीत दर्ज की। गौरतलब है कि पाविच-अरेवालो की जोड़ी ने इसी साल फ्रेंच ओपन 2024 का खिताब जीता था, जहां उन्होंने इटली के सिमोने बोलेली और एंड्रिया वावासोरी को हराया था। इस साल की शुरुआत में भी युकी भांबरी ने दुबई एटीपी 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में इसी जोड़ी को हराया था, तब उनके साथी इवान डोडिग थे। भांबरी-गोरोनसन की जोड़ी अब सेमीफाइनल में ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और पुर्तगाल के फ्रांसिस्को कैब्राल की जोड़ी से आज भिड़ेगी।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए काइल जैमीसन

ऑकलैंड, एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। यह सीरीज 26 अक्टूबर से शुरू होनी है। जैमीसन को शनिवार को अभ्यास सत्र के दौरान बाएँ हिस्से में जकड़न महसूस हुई, जिसके बाद टीम प्रबंधन ने उन्हें आराम देने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार जैमीसन अब क्राइस्टचर्च लौटेंगे जहाँ उनकी आगे की जांच की जाएगी। टीम का लक्ष्य है कि वह नवंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए फिट होकर लौटें। जैमीसन ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों (18 और 20 अक्टूबर) में हिस्सा लिया था, लेकिन 23 अक्टूबर को खेले गए तीसरे मुकाबले में नहीं खेले थे। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, काइल को आज गेंदबाज़ी के दौरान साइड में हल्की जकड़न महसूस हुई और हम इस शुरुआती चरण में कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। हमने निर्णय लिया है कि वह यह वनडे सीरीज़ नहीं खेलेंगे ताकि वेस्टइंडीज़ दौरे के लिए पूरी तरह फिट हो सकें। वॉल्टर ने यह भी पुष्टि की कि जैमीसन के स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी का नाम जल्द ही घोषित किया जाएगा।

महिला विश्व कप

इंदौर में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर ,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम इस समय इंदौर में है, जहां शनिवार को विश्व कप 2025 के 26वें मुकाबले में साउथ अफ्रीका से उसकी भिड़ंत होगी, लेकिन इस मुकाबले से ठीक पहले दो ऑस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है।घटना के वक्त ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर होटल रेडिसन ब्लू से पैदल कैफे की तरफ जा रही थीं। खिलाड़ियों का आरोप है कि इस बीच एक बाइक सवार युवक ने उनसे छेड़छाड़ की। महिला खिलाड़ियों ने तुरंत एसओएस का नोटिफिकेशन भेजा, जिसके बाद सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा अधिकारी डेनी सिमंस की शिकायत पर एमआईजी पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज, होटल रिकॉर्ड और सुरक्षा कर्मियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

सूचना मिलने पर, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने दोनों खिलाड़ियों से मुलाकात की, उनके बयान दर्ज किए और एमआईजी पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए आपराधिक बल का प्रयोग) और धारा 78 (पीछा करना) के तहत एफआईआर दर्ज की।

स्थानीय डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत आरोपी की बाइक जब्त कर ली गई है। मामले में आगे की जांच जारी है। आरोपी के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस घटना को दुखद और देश के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली बताते हुए कहा, यह सिर्फ किसी महिला खिलाड़ी के साथ दुर्व्यवहार नहीं है, बल्कि इससे भारत की छवि खराब होती है। ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी देश की प्रतिष्ठा से खेलने की कोशिश न करे। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश सरकार इस मामले में शून्य सहनशीलता की नीति पर काम करती है। अगर जांच में कोई दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ उदाहरण प्रस्तुत करने जैसी सजा दी जानी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब देश की धरती पर विदेशी मेहमान खेलने आते हैं, तो उनके सम्मान और सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी हमारी होती है। भारत एक संस्कारी देश है, जहां 'अतिथि देवो भव:' की परंपरा रही है। ऐसी घटनाएं उस संस्कृति को आहत करती हैं। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम 6 में से पांच मुकाबले जीतकर इस वक्त प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। इस टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन से मुकाबला जीता, जिसके बाद श्रीलंका के विरुद्ध मैच बारिश के कारण रद्द हो गया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन से जीत दर्ज करने के बाद भारत को 3 विकेट से मात दी। इसके बाद बांग्लादेश को 10 विकेट से रौंदकर ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 6 विकेट से मात दी है। महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल के लिए सभी चार टीमें तय हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया के अलावा, साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड और भारत ने अगले दौर के लिए टिकट हासिल कर लिया है। पहला सेमीफाइनल मुकाबला 29 अक्टूबर को गुवाहाटी के बारसापरा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा वनडे मैच 30 अक्टूबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में आयोजित होगा।

उत्तराखंड की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम का चयन, भूमि उमर को कप्तान की जिम्मेदारी

देहरादून, एजेंसी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) न राज्य की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम का चयन कर लिया है। यह चयन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के घरेलू सत्र 2025-26 के लिए किया गया है, जिसमें युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। चयन प्रक्रिया में राज्य भर से सैकड़ों प्रतिभावान लड़कियों ने भाग लिया और अंतिम टीम में 16 खिलाड़ियों को जगह दी गई है।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ उत्तराखंड की सचिव किरण वर्मा रौतेला ने कहा कि यह कदम उत्तराखंड में महिला क्रिकेट को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है, जहां एकता बिष्ट, मानसी जोशी और स्नेहा राणा जैसी दिग्गजों ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है। चयन ट्रायल अक्टूबर के प्रारंभिक दिनों में विभिन्न जिलों में आयोजित किए गए थे। हरिद्वार में 3 व 4 अक्टूबर को एस एस क्रिकेट एकडमी क्रिकेट मैदान पर महिला अंडर-19 ट्रायल हुए, जबकि प्रेक्टिस मैच जयपुर मे संपन्न हुए। एसोसिएशन की सचिव किरण वर्मा ने बताया कि ट्रायल में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग के आधार पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया गया। यह टीम आगामी अंडर-19 महिला चौलेंजर ट्रॉफी और अन्य बीसीसीआई टूर्नामेंटों में भाग लेगी।

16 खिलाड़ियों की टीम में भूमि उमर कप्तान व कनिका उप कप्तान होंगी। टीम की अन्य सदस्यों में धृति अरनाल, सोना, तन्वी जोमर, करीना, वैशाली तिवारी, निर्जला मेहरा, रुद्रा शर्मा, अनन्या मेहरा, उन्नति सिंह, प्रिया राज, करुणा शेट्टी, नंदिनी शर्मा, प्रीति प्रजापति, कनिका नेगी, तमन्ना को शामिल हैं।

शानदार कैच लपकने के बाद चोटिल हुए श्रेयस अय्यर, दर्द से तड़पते हुए छोड़ना पड़ा मैदान

सिडनी,एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में जारी तीसरे वनडे मैच में चोटिल हो गए, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा।यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 34वें ओवर की है। हर्षित राणा के ओवर की चौथी गेंद पर ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने हवाई शॉट खेला। इस बीच श्रेयस ने कैच लपकने के लिए विपरीत दिशा में दौड़ना शुरू किया। अय्यर ने गेंद लपकने के लिए छलांग लगाई और गेंद को पकड़ने में कामयाब रहे। इस बीच वह फिसल गए। बाईं ओर गिरे, जिसके बाद अय्यर पसलियों को पकड़कर दर्द से कराहते नजर आए।

एक ओर एलेक्स कैरी आउट होकर पवेलियन लौट रहे थे, तो दूसरी ओर मैदान पर गिरे अय्यर दर्द से छटपटा रहे थे। इसी बीच फिजियो मैदान पर आए और चोट की जांच करने के बाद अय्यर को अपने साथ मैदान से बाहर ले गए। मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के बीच 9.2 ओवरों में 61 रन की साझेदारी हुई।

हेड 25 गेंदों में 29 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद कप्तान मार्श ने मोर्चा संभाला, लेकिन अर्धशतक से चूक गए। मार्श ने 50 गेंदों में एक छक्के और 5 चौकों के साथ 41 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलियाई टीम 88 के स्कोर तक सलामी बल्लेबाजों का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से मैथ्यू शॉर्ट ने मैट रैनेशॉ के साथ तीसरे विकेट के लिए 36 रन जोड़ते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। शॉर्ट ने 30 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 124 के स्कोर तक 3 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से मैट रैनेशॉ ने एलेक्स कैरी के साथ चौथे विकेट के लिए 59 रन जोड़ते हुए टीम को 200 के करीब पहुंचाया।

एशिया कप 2025: ट्रॉफी चुराने के बाद मोहसिन नकवी ने बनाई अपनी शर्तें

नई दिल्ली ,एजेंसी। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को तीन बार हराकर ट्रॉफी जीतने के बाद भी विवादों से घिरी रही। भारतीय खिलाड़ियों ने नो-हैंडशेक पॉलिसी अपनाई और पाकिस्तान की टीम द्वारा सुपर-4 मैच के दौरान 'गन सेलिब्रेशन' और 'प्लेन क्रैश' जैसी ओछी हरकतों के विरोध में कड़ा रुख अपनाया। फाइनल मुकाबले में भारत ने जीत हासिल की, लेकिन एसीसी चीफ मोहसिन नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से भारत ने इनकार कर दिया। नकवी ट्रॉफी लेकर एक घंटे तक स्टेज पर खड़े रहे, लेकिन कोई भारतीय खिलाड़ी प्रेजेंटेशन सेरेमनी में शामिल नहीं हुआ। अंत में नकवी ट्रॉफी लेकर वहां से चले गए। अब ताजा खबर है कि नकवी ने ट्रॉफी को एसीसी दफ्तर से बाहर निकालकर अबू धाबी में किसी अज्ञात जगह पर छुपा दिया है। वहीं एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, नकवी इस ट्रॉफी को खुद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और खिलाड़ियों को देने पर अड़े हैं। बीसीसीआई लगातार ई-मेल के जरिए ट्रॉफी लौटाने की चेतावनी दे रहा है, लेकिन नकवी ने हाल ही में जवाब दिया कि वह 10 नवंबर को यूएई में एक कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं, जिसमें वे अपने हाथों से ट्रॉफी देने का इरादा रखते हैं। बीसीसीआई ने पहले ही इस योजना को अस्वीकार कर दिया है। मोहसिन नकवी पीसीबी चीफ और एसीसी के अध्यक्ष होने के साथ-साथ पाकिस्तान सरकार में आंतरिक मामलों के मंत्री भी हैं। माना जा रहा है कि वह भारत से अपनी खुंदक निकालने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते। भारतीय टीम की जीत और फाइनल में होने वाले विवादों के बाद नकवी की यह हरकत नई तनातनी को जन्म दे रही है। इस पूरी स्थिति ने एशिया कप 2025 के माहौल को और विवादित बना दिया है। भारतीय टीम की विजयी झलक के बावजूद, नकवी द्वारा ट्रॉफी पर अपने अधिकार जताने की कोशिश और उसे अज्ञात जगह पर छुपाना क्रिकेट प्रेमियों और दोनों देशों की क्रिकेट प्रशासनिक संस्थाओं के बीच बहस का विषय बन गया है। इस मामले में अब बीसीसीआई और एसीसी के बीच बातचीत जारी है,

पंजाब किंग्स ने 2026 सत्र के लिए बहुतुले को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया

चंडीगढ,एजेंसी। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 सत्र के लिए पूर्व क्रिकेटर साईराज बहुतुले को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया है। बहुतुले सुनील जोशी की जगह कोच बनाये गये है। वहीं 2023 से कोच रहे जोशी अब बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपनी सेवाएं देंगे। बहुतुले ने कोच की जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं आगामी आईपीएल सीजन के लिए पंजाब किंग्स में स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में शामिल किये जाने से बेहद खुशी का अनुभव कर रहा हूं। पंजाब का खेल का तरीका सबसे अलग है। कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों वाली इस टीम के आगे बढ़ने की अच्छी संभावनाएं हैं। मैं उनके साथ मिलकर उनके कौशल को निखारने और उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में सहायक बनने को लेकर उत्साहित हूं। बहुतुले, के पास कोच के तौर पर अच्छा अनुभव है। वह केरल, गुजरात, विदर्भ और बंगाल जैसी घरेलू टीमों के कोच रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के साथ भी वह कुछ समय के लिए रहे हैं। इसके अलावा वह सीईओ में स्पिन गेंदबाजी कोच भी रहे हैं। पंजाब किंग्स की ओर से कहा गया है कि साईराज को खेल की अच्छी समझ है।

हॉकी इंडिया लीग 2025–26 सीज़न का शेड्यूल जारी, तीन शहरों में होंगे मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) ने शनिवार को अपने 2025ङ्क26 सीज़न के पुरुष और महिला लीग के आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा की। भारत की इस प्रतिष्ठित हॉकी प्रतियोगिता के नए सीज़न की घोषणा रांची स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदीव्य कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव एवं हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह, रांची रॉयल्स टीम के मालिक अलविश एम.ए., तथा अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह, आशिष तानी पुर्ति, संगीता कुमारी, दीपिका सोरेंग, निक्की प्रधान और ब्यूटी डुंग डुंग भी मौजूद रहे। इस अवसर पर रांची रॉयल्स टीम का नया आधिकारिक लोगो भी लॉन्च किया गया, जो झारखंड की समृद्ध हॉकी परंपरा और ऊर्जा का प्रतीक है।

पुरुष और महिला लीग का कार्यक्रम: इस बार पुरुष लीग तीन प्रमुख शहरों – चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित होगी, जबकि महिला लीग पिछले वर्ष की तरह पूरी तरह रांची में खेली जाएगी।

पुरुषों की हीरो एचआईएल का आगाज़ 3 जनवरी 2026 को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होगा, जहां मेज़बान तमिलनाडु ड्रैगन्स और हैदराबाद तूफान्स के बीच रोमांचक उद्घाटन मुकाबला खेला जाएगा। पुरुष लीग में आठ टीमें, तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स (पिछली चैंपियन), वेदांता कलिंगा लैंसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल की टीमें हिस्सा लेंगी। महिला हीरो एचआईएल की शुरुआत 28 दिसंबर 2025 को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में होगी। उद्घाटन मैच रांची रॉयल्स और एसजी पाइपर्स के बीच खेला जाएगा। महिला लीग में कुल चार टीमें रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स भाग लेंगी।

पुरुष एचआईएल फॉर्मेट : पुरुष लीग तीन चरणों में खेली जाएगी पहला चरण- चेन्नई (3–9 जनवरी) दूसरा चरण- रांची (11–16 जनवरी)

तीसरा और अंतिम चरण- भुवनेश्वर (17–26 जनवरी) सभी टीमें एक-दूसरे से एक बार भिड़ेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ़ में पहुंचेंगी, जिनमें क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर (23 जनवरी), क्वालिफायर-2 (25 जनवरी) और फाइनल (26 जनवरी, कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर) खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप से निराशाजनक विदाई के बाद फातिमा सना और चामरी अटापट्टू ने कहा-अगली बार करेंगे मजबूत वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलंबो में लगातार बारिश ने पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों टीमों की आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 की मुहिम का निराशाजनक अंत कर दिया। अंतिम ग्रुप मैच में सिर्फ 4.2 ओवर ही खेला जा सका, जिसके बाद मैच रद्द कर दिया गया। पाकिस्तान ने 18 रन बिना किसी नुकसान के बनाए थे जब बारिश ने फिर से खेल रोक दिया। इस परिणाम के साथ पाकिस्तान बिना किसी जीत के टूर्नामेंट से बाहर हुआ, जबकि श्रीलंका पांचवें स्थान पर रहा। मैच के बाद दोनों कप्तानों ङ्क पाकिस्तान की फातिमा सना और श्रीलंका की चामरी अटापट्टू ङ्क ने निराशा के बीच भी भविष्य के लिए सकारात्मक रुख दिखाया। फातिमा सना ने कहा, हमारी गेंदबाज़ी और फील्डिंग बहुत अच्छी रही, लेकिन बल्लेबाज़ी में हम कमी महसूस कर रहे थे। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ हम बहुत करीब पहुंचे, मगर फिनिश नहीं कर सके। बतौर कप्तान, इन मैचों से मुझे आत्मविश्वास मिला है। मौसम हमारे पक्ष में नहीं था, लेकिन हमने इस वर्ल्ड कप से बहुत कुछ सीखा।

उन्होंने आगे कहा, हमने हाल में बहुत कम क्रिकेट खेला है, इसलिए ज़रूरी है कि वर्ल्ड कप्स के बीच हमें और मैच खेलने को मिलें। अगले साल टी20 वर्ल्ड कप है, उम्मीद है हम बेहतर तैयारी के साथ उतरेंगे। एक युवा कप्तान के रूप में मैं खुद पर और अपनी टीम पर भरोसा रखती हूं कि अगली बार हम और मज़बूत टीम बनकर लौटेंगे। वहीं, श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू ने भी बारिश से प्रभावित टूर्नामेंट पर अफसोस जताया, लेकिन अपनी टीम की प्रगति पर संतोष जताया। उन्होंने कहा, इस वर्ल्ड कप के लिए हमारी उम्मीदें बहुत ऊंची थीं, लेकिन शुरुआती मैचों में गलतियों का असर पड़ा। फिर भी हमारी टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन है। हम घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं, जिससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, पिछले 12 महीनों में हमने दक्षिण अफ्रीका, भारत और न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराया है, और इंग्लैंड को भी टी20 में मात दी है। हमें बस लंबे प्रारूप में अपने नेचुरल गेम पर टिके रहना होगा। हम टॉप चार टीमों के बहुत करीब हैं, बस थोड़ा सुधार की जरूरत है। दोनों कप्तानों के बयानों से साफ है कि बारिश ने भले ही उनके मौजूदा अभियान को अधूरा छोड़ दिया हो, लेकिन भविष्य के लिए उनका आत्मविश्वास और विश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत है।

संक्षिप्त समाचार

‘अबकी बार मोदी सरकार’ लिखने वाले पीयूष पांडे नहीं रहे

नई दिल्ली/मुंबई। एड गुरु पद्मश्री पीयूष पांडे का गुरुवार को निधन हो गया। जानकारी आज सामने आई है। 70 साल की उम्र में मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली। पीयूष ने ‘अबकी बार मोदी सरकार’ नारा लिखा था। इसके अलावा, ‘मिले सुर मेरा तुम्हारा’ गाना लिखा था। पीयूष पांडे की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे शरीर में संक्रमण से जूझ रहे थे। अंतिम संस्कार आज मुंबई में किया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम ने X पर लिखा, ‘पीयूष पांडे क्रिएटिविटी के लिए जाने जाते थे। एडवर्टाइजिंग की दुनिया में उन्होंने शानदार योगदान दिया। मैं उनके साथ हुई बातचीत को सालों तक संजोकर रखूंगा। उनके दुनिया से जाने से बहुत दुखी हूं। उनके परिजन के साथ मेरी संवेदनाएं हैं।’ पीयूष 27 साल की उम्र में विज्ञापन जगत से जुड़ गए थे। उन्होंने शुरुआत अपने भाई प्रसून पांडे के साथ की। दोनों ने रोजमर्रा के उत्पादों के लिए रेडियो जिंगल्स की आवाज दी थी। 1982 में विज्ञापन कंपनी ओगिल्वी से की। 1994 में उन्हें ओगिल्वी के बोर्ड में नॉमिनेट किया गया। पीयूष को 2016 में भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, 2024 में उन्हें LIA लीजेंड अवॉर्ड भी मिला।

आतंकी संगठन जैश ने 1500 आतंकी भर्ती किए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का आतंकी संगठन जैश-ए- मोहम्मद फिर सक्रिय हो गया है। उसने अपनी पहली महिला ब्रिगेड ‘जमात-उल-मोमिनात’ शुरू की है। इसकी भर्ती 8 अक्टूबर से शुरू की गई है। ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया की आड़ में असल में युवा आतंकियों को संगठन में शामिल किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने जैश का पाक के पंजाब सूबे के बहावलपुर में मरकज तबाह किया था। यह आतंकियों का मुख्य ठिकाना था। अब पाकिस्तान की आर्मी की शह पर जैश फिर से संगठित हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अब तक पंजाब और सिंध सूबे से लगभग 1500 आतंकी जैश में शामिल किए जा चुके हैं। साथ ही पाकिस्तान के शहरों में संचालित जैश के मदरसों और मस्जिदों से लगभग 100 करोड़ रुपए चंदा भी जुटाया जा चुका है। ऑपरेशन सिंदूर के चलते जैश के पंजाब प्रांत और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई ठिकाने तबाह हो गए थे। इनकी मरम्मत के लिए जैश भर्ती के नाम पर फंड जुटा रहा है। ऑनलाइन कोर्स के साथ-साथ इस ऑफलाइन आउटरीच का मकसद ग्रामीण इलाकों के युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें कट्टरपंथी धार्मिक विचारधारा में शामिल करना है। जिससे जैश के आत्मघाती दस्ते तैयार किए जाएं।

जुबीन डेथ केस- सिंगापुर पुलिस 10 दिन में सबूत देगी

गुवाहटी। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में जांच कर रही असम पुलिस की विशेष जांच टीम (SIT) ने बताया कि सिंगापुर पुलिस अगले 10 दिनों में अहम सबूत भारत को सौंपेगी। इसमें CCTV फुटेज और गवाहों के बयान शामिल हैं। सिंगापुर पुलिस भी अपनी तरफ से अलग जांच कर रही है। भारत सरकार ने इस मामले की जांच में मदद के लिए सिंगापुर से आधिकारिक तौर पर सहयोग मांगा है। वहीं, असम CID के विशेष डीजीपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि दोनों देशों की जांच एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। अब तक 70 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि वे और SIT में शामिल एसपी तरुण गोयल हाल ही में सिंगापुर जाकर जांच कर लौटे हैं। वहां इंडियन हाई कमिश्नर और सिंगापुर पुलिस से मुलाकात की। गुप्ता ने कहा- हमने सिंगापुर पुलिस से जुबीन के होटल और बाकी स्थानों की CCTV फुटेज मांगी है। अगले 10 दिनों में सारी जानकारी दे दी जाएगी। सिंगर जुबीन की 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र में डूबने से मौत हो गई थी। उस वक्त जुबीन नाव में कुल 17 लोगों के साथ सवार थे। वे वहां नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के चौथे संस्करण में शामिल होने गए थे। मामले में अब तक 7 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। SIT हेड गुप्ता ने बताया कि दोनों देशों की पुलिस जांच को जल्द पूरा करने की कोशिश कर रही है ताकि तीन महीने के अंदर चार्जशीट दाखिल की जा सके। सिंगापुर पुलिस से यॉट के पायलट और असम एसोसिएशन सिंगापुर के एक सदस्य के बयान भी मांगे हैं। हालांकि, वे सिंगापुर के नागरिक हैं, इसलिए ये बयान कानूनी प्रक्रिया के तहत ही मिल पाएंगे।

मुंबई में पहले प्रेमिका को चाकू मारा, फिर गला काटा

मुंबई। मुंबई के भायखला इलाके में शुक्रवार सुबह 24 साल के युवक ने अपनी पूर्व प्रेमिका पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद उसने खुद अपना गला काट लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का ना सोनू बरई है। पुलिस ने बताया कि लड़की मृतक की पूर्व प्रेमिका है और गंभीर रूप से घायल है। दोनों का दो हफ्ते पहले ब्रेकअप हुआ था। इसी को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस के मुताबिक घटना, सुबह करीब 11 बजे सड़क पर हुई। आरोपी सोनू बरई ने लड़की को मिलने बुलाया था। जैसे ही लड़की आई, सोनू ने उसपर दो-तीन बार चाकू से वार किया। घायल जान बचाने के लिए भागी और पास के नर्सिंग होम में घुस गई। सोनू ने पीछा किया और वहां भी उस पर चाकू से हमला किया। वहीं मौजूद लोगों में से किसी ने सोनू पर पत्थर फेंका। इससे सोनू को लगा कि वह भाग नहीं पाएगा। पकड़े जाने के डर से सोनू ने अपना गला काट लिया। ज्यादा खून बहने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती पूछताछ से पता चला है कि दोनों कुछ समय से रिलेशनशिप में थे, लेकिन हो हफ्ते पहले उनका ब्रेकअप हो गया था। आरोपी को शक था कि लड़की किसी और के साथ संबंध बना रही है। इसी वजह से जब लड़की मिलने आई तो दोनों में बहस हुई और आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

देश में पहली बार एक दिन में तीन अंग ट्रांसप्लांट

नई दिल्ली। केरल के कोट्टायम गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में 23 अक्टूबर को एक साथ तीन अंगों का ट्रांसप्लांट हुआ। ये भारत का पहला सरकारी अस्पताल बन गया है, जहां एक ही दिन में तीन अंगों हृदय, फेफड़े और गुर्दे का ट्रांसप्लांट किया गया। यह भी पहली बार है कि किसी सरकारी अस्पताल में फेफड़े का ट्रांसप्लांट किया गया है। फेफड़े का ट्रांसप्लांट देश में बहुत ही मुश्किल सर्जरी मानी जाती हैं। यहां तक कि उन निजी अस्पतालों में भी, जहां अंगदान की अनुमति है। कोट्टायम मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने दैनिक भास्कर को बताया कि यह देश में पहली बार हुआ है जब किसी सरकारी अस्पताल में एक ही दिन में तीन अंगों का ट्रांसप्लांट किया गया हो। जिनमें से एक फेफड़े का था। दान किए गए अंगों में हृदय, फेफड़ा, दोनों गुर्दे, अग्नाशय (पैनक्रियास), लीवर, एक हाथ और दोनों कॉर्निया थे। सर्जरी बुधवार, 22 अक्टूबर की रात 8:30 बजे शुरू हुई और 2:30 बजे तक चली। इसके बाद अंगों को दूसरे पेशेंट्स के अंदर ट्रांसप्लांट किया गया। 23 अक्टूबर की दोपहर तक सफलतापूर्वक पूरी सर्जरी हो गई।

कनाडा का ऐड देख डोनाल्ड ट्रम्प नाराज, ट्रेड डील रद्द की

विज्ञापन बनाने में 634 करोड़ लगे, इसमें टैरिफ के खिलाफ बोल रहे थे पूर्व राष्ट्रपति

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात को कनाडा के साथ सभी व्यापार बातचीत रद्द करने की घोषणा की है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया साइट ट्रुथ पर लिखा कि कनाडा ने धोखे से एक विज्ञापन चलाया है, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन टैरिफ के खिलाफ बोल रहे हैं। ट्रम्प ने लिखा, ‘रोनाल्ड रीगन फाउंडेशन ने बताया की कनाडा ने रीगन के फर्जी विज्ञापन का गलत इस्तेमाल किया। यह 1987 के रीगन के भाषण को तोड़-मरोड़ कर पेश करता है।’ इस वीडियो में रीगन ट्रम्प के टैरिफ से आम लोगों पर हो रहे असर पर बात करते हैं। यह विज्ञापन 75 मिलियन डॉलर(634 करोड़ रुपए) का था। दोनों पक्ष स्टील और एल्यूमीनियम जैसे क्षेत्रों में समझौतों पर हफ्तों से बातचीत कर रहे थे, लेकिन ट्रम्प की घोषणा ने इसे पूरी तरह रोक दिया है। ट्रम्प के फैसले के बाद कनाडाई PM मार्क कार्नी ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन के साथ ट्रेड डील अब पहुंच से बाहर है।

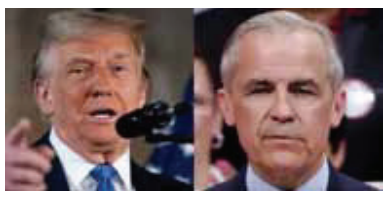

कार्नी बोले- अमेरिका को मनमाने ढंग से बाजार में पहुंच नहीं मिलेगी: ट्रम्प ने पहले ही कनाडा पर 35% टैरिफ लगा रखा है। उन्होंने मेटल पर 50% और ऑटोमोबाइल पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ भी लगाए थे। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में हुए US-मेक्सिको-कनाडा समझौते (USMCA) के तहत कवर होने वाले सामान टैरिफ से मुक्त हैं। रॉयटर्स के अनुसार कार्नी ने कहा, ‘अगर हम ट्रेड बातचीत में प्रगति नहीं कर पाते हैं, तो कनाडा अपने बाजारों में अमेरिका को मनमाने ढंग से पहुंच की अनुमति नहीं देगा।’ उन्होंने कहा- हम अपने लोगों की सुरक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा करेंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 8 अक्टूबर को अमेरिका के दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान ओवल ऑफिस में उन्होंने ट्रम्प से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने कई बार कहा है कि कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य बन जाए। कार्नी ने इस मजाक को टाल दिया और कहा कि वह ट्रम्प की गाजा-इजराइल शांति योजना का समर्थन करते हैं और कनाडा इस में मदद करेगा। इसके अलावा कार्नी ने ट्रम्प की तारीफ की और भारत और पाकिस्तान समेत कई देशों के बीच शांति स्थापित करने का क्रेडिट दिया। व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के दौरान कार्नी ने कहा, ‘आप एक परिवर्तनकारी और खास राष्ट्रपति हैं। आपने अर्थव्यवस्था में बदलाव किया, नाटो देशों से रक्षा खर्च बढ़वाया और भारत-पाकिस्तान से लेकर अजरबैजान-आर्मेनिया तक शांति बहाल की।’ अमेरिका और कनाडा एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं, जहां हर रोज लगभग 15 हजार करोड़ रुपए के सामान और सेवाओं का आदान-प्रदान होता है। 2024 में, द्विपक्षीय व्यापार का कुल मूल्य लगभग 79 लाख करोड़ रुपए का था, जिसमें अमेरिका का कनाडा के साथ माल व्यापार घाटा 5.21 लाख करोड़ रुपए रहा।

कार्बाइड गन से 150 लोगों की आंखों की रोशनी गई

एजेंसी, भोपाल

दिवाली पर पटाखों के विकल्प में चलाई गई देसी कार्बाइड गन से मध्य प्रदेश में अब तक 300 लोगों की आंखें जख्मी हुई हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञों के अनुसार, करीब 50% मरीजों की आंखों की रोशनी फिलहाल जा चुकी है। इनकी आंखों के सामने सिर्फ वार्म व्हाइट लाइट का गोला ही नजर आ रहा है। एमनियोटिक मेम्ब्रेन इम्प्लांट और टिशू ग्राफ्टिंग जैसी प्रक्रिया से आंखों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। अंतिम उपाय कॉर्निया ट्रांसप्लांट ही होगा, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में ट्रांसप्लांट के लिए जरूरी कॉर्निया मिलना मुश्किल है। भोपाल की बात करें तो अलग-अलग अस्पतालों में ऐसे 162 लोग पहुंचे हैं। ग्वालियर, इंदौर, विदिशा समेत कई जगहों पर ऐसी घटनाओं में 7 से 14 साल तक के बच्चे प्रभावित हुए हैं। बड़ी संख्या में लोगों का नुकसान होने के बाद प्रशासन की नींद खुली और कार्बाइड गन बेचने-खरीदने और स्टॉक रखने पर गुरुवार रात रोक लगाई। भोपाल और ग्वालियर में गन बेचते मिले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एमपी के अस्पतालों में 300 लोग पहुंचे, डॉक्टर बोले- ट्रांसप्लांट के लिए कॉर्निया मिलना मुश्किल

हादसों के बीच यह भी पता चला है कि इस कार्बाइड गन को सोशल मीडिया पर बंदर भगाने के देसी जुगाड़ के रूप में वायरल किया गया था। इस जुगाड़ सिस्टम को लेकर 2023 में ICMR (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) भोपाल ने चेतावनी दी थी। संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च में बताया था कि कैल्शियम कार्बाइड और पानी के केमिकल रिएक्शन से बनने वाली गैस ‘एसिटिलीन’ सिर्फ धमाका नहीं करती, बल्कि आंखों की रोशनी तक छीन लेती है। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थेलमोलॉजी में प्रकाशित भी हुई थी। इसके बाद भी समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए।

अहमदाबाद में लापरवाही से पटाखा फोड़ने से बच्ची की मौत

♦ लोहे के पाइप में रखकर चला रहे थे पटाखे, सीधे बच्ची के सिर में धंसा पाइप

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में लापरवाही से पटाखे फोड़ने से 16 वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई। राणीप इलाके में तीन लड़के लोहे के पाइप को दो पत्थरों के बीच रखकर उसमें पटाखे लगाकर फोड़ रहे थे। इसी दौरान पाइप पटाखे के साथ उड़ता हुआ लड़की के सिर में जा घुसा। लड़की को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। लड़की के पिता ने इस मामले में साबरमती पुलिस स्टेशन में एक युवक सहित दो नाबालिगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों को हिरासत में ले लिया है।

11वीं की स्टूडेंट थी मृतक शहर के न्यू राणिप इलाके में चेनपुर के पास रहने वाली 16 वर्षीय हिना 11वीं की स्टूडेंट थी। बीते बुधवार को हिना अपनी सहेली के साथ सोसायटी में टहल रही थी। पास ही में एक युवक और दो नाबालिग लड़के पटाखे चला रहे थे। तीनों लोहे के पाइप के टुकड़े में पटाखे रखकर फोड़ रहे थे। इसी दौरान एक पाइप का टुकड़ा उड़कर हिना के सिर में घुस गया। घायल होते ही हिना जमीन पर गिर गई। जबकि उसकी सहेली बाल-बाल बच गई। सहेली की चीख-पुकार सुनकर आसपास को लोग मौके पर पहुंचे और बच्ची को लेकर तुरंत अस्पताल पहुंचे।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान को पानी देने से इनकार

एजेंसी, काबुल

भारत के बाद अब अफगानिस्तान भी पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोकने के लिए डैम बनाने की तैयारी कर रहा है। अफगान सूचना मंत्रालय ने गुरुवार को X पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। सूचना मंत्रालय ने बताया कि तालिबान के सर्वोच्च नेता मावलवी हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने कुनार नदी पर जल्द से जल्द बांध बनाने का आदेश दिया है। मंत्रालय के उपमंत्री मुहाजिर फराही ने गुरुवार को बताया कि पानी और ऊर्जा मंत्रालय को घरेलू कंपनियों को ठेका देकर बांध निर्माण जल्दी शुरू करने को कहा गया है। विदेशी कंपनियों का इंतजार नहीं करना है। अफगानिस्तान ने यह फैसला हाल में हुए संघर्ष के बाद लिया है। 9 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चले झड़पों में अफगानिस्तान के 37 नागरिक मारे गए और 425 घायल हुए थे। वहीं, भारत ने भी पहलगाम आतंकी हमले के बाद 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि को स्थगित कर पाकिस्तान की ओर जाने वाला पानी रोक दिया था।

कुनार नदी का 70-80% पानी पाकिस्तान इस्तेमाल करता: 480 किलोमीटर लंबी कुनार नदी अफगानिस्तान से निकलकर पाकिस्तान में चितराल नदी बनकर काबुल नदी में मिलती है। कुनार नदी का 70-80% पानी पाकिस्तान में आता है। यह काबुल नदी फिर सिंधु नदी में शामिल होती है। अगर अफगानिस्तान बांध बनाकर कुनार का पानी रोकता है, तो पाकिस्तान को गंभीर नुकसान होगा। इसका सीधा असर खैबर पख्तूनख्वा (KPK) पर पड़ेगा। इसके बाजौर, मोहम्मद जैसे इलाकों में खेती पूरी तरह इसी नदी पर निर्भर है। सिंचाई बंद होने से फसलें बर्बाद होने का खतरा बढ़ जाएगा। इसके अलावा, पानी रोकने से पाकिस्तान के चितराल जिले में कुनार नदी पर चल रहे 20 से ज्यादा छोटे हाइडल प्रोजेक्ट प्रभावित होंगे। ये सभी प्रोजेक्ट रन-ऑफ-रिवर हैं, यानी यह सीधे नदी के बहाव से बिजली बनाते हैं।

45MW बिजली पैदा होगी, 1.5 लाख एकड़ खेती को पानी मिलेगा: इससे पहले तालिबान के जल और ऊर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता मतीउल्लाह आबिद ने बताया था कि इस डैम का सर्वे और डिजाइन तैयार हो चुका है। तालिबान सरकार का दावा है कि यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाता है तो इससे 45 मेगावाट बिजली पैदा होगी और लगभग 1.5 लाख एकड़ खेती को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। इससे अफगानिस्तान में ऊर्जा संकट और खाद्य सुरक्षा में सुधार होगा। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच काबुल नदी और इसकी सहायक नदियों के जल बंटवारे को लेकर कोई औपचारिक द्विपक्षीय समझौता नहीं है। पाकिस्तान पहले भी अफगानिस्तान की डैम परियोजनाओं पर चिंता जता चुका है, क्योंकि इससे उसके इलाके में आने वाली जल की आपूर्ति कम हो सकती है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच संघर्ष 9 अक्टूबर को शुरू हुआ था। पाकिस्तान ने काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हमले किए। इसके बाद अफगान ने पाकिस्तान को सीमा विवाद और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहराया। UN के मुताबिक पाकिस्तानी हमलों में अफगानिस्तान के 37 नागरिक मारे गए और 425 घायल हुए। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान पर नागरिक इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया, जबकि पाकिस्तान का कहना है कि उसने आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की।

♦ कुनार नदी पर डैम बनाने की तैयारी, भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित किया था

वंश-जाति पर मंदिर पुजारी की नियुक्ति जरूरी नहीं, केरल हाईकोर्ट ने कहा- योग्यता और प्रशिक्षण को देखा जाना चाहिए

एजेंसी, कोच्चि

केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि मंदिरों में पुजारी की नियुक्ति जाति या वंश के आधार पर नहीं हो सकती। ऐसा करना किसी आवश्यक धार्मिक प्रथा के रूप में नहीं माना जा सकता। यह काम योग्यता और प्रशिक्षण के आधार पर होना चाहिए। जस्टिस राजा विजयाराघवन वी और जस्टिस के.वी. जयकुमार की बेंच ने कहा मंदिर में पुजारी की नियुक्ति एक धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि सेक्युलर/सिविल प्राधिकारी (ट्रस्टी) द्वारा किया जाने वाला काम है। किसी जाति या वंश के आधार पर नियुक्ति करना संविधान के तहत संवैधानिक सुरक्षा वाला अधिकार नहीं है। कोई भी प्रथा जो मानवाधिकार या सामाजिक समानता के खिलाफ हो,

उसे कोर्ट मान्यता नहीं देगा। कोर्ट का ये कमेंट अखिल केरल थंथ्री समाजम (लगभग 300 पारंपरिक थांत्रि परिवार) की याचिका पर आया। यह संगठन उन परिवारों का प्रतिनिधित्व करता है जो पीढ़ियों से मंदिरों में पूजा करते आए हैं।

संगठन ने थांत्र विद्या पीठों से प्रशिक्षित उम्मीदवारों को पुजारी बनाने की प्रक्रिया को चुनौती दी थी। दलील दी थी कि इससे ब्राह्मण परिवारों का पारंपरिक अधिकार खत्म हो रहा है। नियुक्ति आगम और थांत्रसमुचायम जैसी धार्मिक पुस्तकों के अनुसार होनी चाहिए। पूजा का अधिकार सिर्फ पारंपरिक थंथ्री परिवारों को ही मिलना चाहिए, लेकिन केरल देवस्वम बोर्ड और देवस्वम भर्ती बोर्ड ने नया नियम बनाया। इसके तहत किसी भी जाति या वंश का व्यक्ति, अगर उसने मान्यता प्राप्त थंथ्रा विद्यालय से पूजा की ट्रेनिंग ली है, तो वह पुजारी बन सकता है।

थंथ्री समाज का कहना- सरकार या कोई बोर्ड दखल नहीं दे सकता: वहीं, थंथ्री समाज इस नियम का विरोध में है। उसका कहना था कि मंदिर में पूजा कौन करेगा, यह धार्मिक मामला है। सरकार या कोई बोर्ड पुजारी की नियुक्ति के मामले में दखल नहीं दे सकता। यह नियम धार्मिक परंपराओं और ग्रंथों के खिलाफ है।

भोपाल से आईएसआईएस आतंकी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल गिरफ्तार कर ले गई

एजेंसी, भोपाल

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने ISIS (इस्लामिक स्टेट्स ऑफ इराक एंड सीरिया) से जुड़े एक आतंकी को भोपाल के करोंद से गिरफ्तार किया है। वहीं, दिल्ली के सादिक नगर से भी एक आतंकी पकड़ाया है। दोनों मिलकर दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आईईडी ब्लास्ट करने की प्लानिंग कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों आतंकियों का नाम अदनान है। इन्हें फिदायीन हमले की ट्रेनिंग दी जा रही थी और उनका निशाना दिल्ली था। आतंकियों के पास से संदिग्ध सामान भी बरामद हुआ है। फिलहाल दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की टीम दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, यह ग्रुप उन जगहों की तलाश में था, जहां वे जमीन खरीदकर अपनी गतिविधियों का केंद्र बना सकें। वे हथियार बनाने के लिए पैसे भी इकट्ठा कर रहे थे।

भोपाल में पड़ोसी ज्योति अमकरे ने बताया कि सैयद अदनान को अच्छे से जानते हैं। कभी संदिग्ध नहीं लगा। अच्छा बच्चा है। पढ़ने वाला बच्चा है। इस बार मेरिट में आया था। 88 प्रतिशत आए थे। सीए की तैयारी कर रहा था। उनके घर में साफ-सुथरा माहौल है। पिता फैक्ट्री में हैं और मम्मी गृहिणी हैं। उन्हें यहां रहते 6 साल हो गए हैं। ये किराए का मकान है। आप लोग आए तो हमें शॉक लगा। संदेह करने लायक कभी कुछ नहीं लगा।

दिवाली-छठ में चल रही ट्रेनों की तीन लेवल पर मॉनिटरिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

दिवाली और छठ के दौरान चलाई जा रही 12 हजार से अधिके स्पेशल ट्रेनों की तीन स्तर पर मॉनिटरिंग रेलवे कर रहा है। मंडल, जोन और रेलवे बोर्ड से हो रही निगरानी की वजह से इन ट्रेनों की लेटलतीफी तीन घंटे से कम रह गई है। समय पर चलने की वजह से इन ट्रेनों से पिछले साल की तुलना में 50 लाख से ज्यादा लोगों ने सफर किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रोजाना रेलवे बोर्ड में मॉनिटरिंग के लिए पहुंच रहे हैं। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार भी लगातार निगरानी कर रहे हैं। रेल मंत्री ने बताया कि, विशेष ट्रेन रवाना होने के बाद किस मंडल में किस जगह पहुंची है, इसकी लाइव लोकेशन मॉनिटर पर दिखती है। यदि ट्रेन किसी ऐसी जगह पर रुकी है, जहां उसका स्टॉप नहीं है तो तुरंत ही मंडल लेवल तक पूछताछ कर रवाना कराया जा रहा है।

शुरूआती स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक उसकी निगरानी हो रही है। यही वजह है कि विशेष ट्रेन जो पहले 8 से 12 या 18 घंटे तक की देरी से चलती थी उसका औसतन डिले टाइम घटकर तीन घंटे से भी कम हो गया है। अभी तक 10,700 से ज्यादा विशेष ट्रेनों के फैरे हुए हैं, जिनमें सिर्फ एक ट्रेन छह घंटे की देरी से गंतव्य तक पहुंची है।

पटना जंक्शन पर छठ को लेकर पहुंचे यात्री: रेल मंत्री ने बताया कि इस बार भीड़ प्रबंधन पूरी तरह साइंटिफिक है। हर स्टेशन के होल्डिंग एरिया में यात्रियों का हर घंटे के हिसाब से आकलन किया जा रहा है। किस टाइम जोन में किस स्टेशन पर कितने संभावित यात्री हैं, इसको आकलन कर यात्री संख्या के हिसाब से आसपास के स्टेशनों से विशेष ट्रेन को रवाना किया जा रहा है।

पुतिन बोले-अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइलों से हमला हुआ तो जवाब देंगे

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि अगर हम पर अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइलों से हमला किया गया तो इसका कड़ा जवाब देंगे। पुतिन का ये बयान अमेरिका के दो रूसी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने के बाद आया है। हालांकि, पुतिन बातचीत के लिए भी तैयार दिखे। पुतिन ये भी बोले, ‘टकराव या किसी भी विवाद में बातचीत हमेशा बेहतर होती है। हमने हमेशा बातचीत जारी रखने का समर्थन किया है।’

दरअसल, 22 अक्टूबर को ट्रम्प-पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक रद्द होने के बाद अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लूकोइल पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसका मकसद रूस को जंग में मिल रही फंडिंग पर रोक लगाना है। पुतिन ने ट्रम्प के इस कदम की आलोचना की और संबंधों के बिगड़ने की बात कही। दरअसल, ट्रम्प अपने कार्यकाल की शुरुआत में रूस से अच्छे संबंध बनाना चाहते थे, लेकिन यूक्रेन जंग पर सीजफायर से बार-बार इनकार करने पर वे पुतिन से नाराज थे।

पुतिन बोले- अमेरिकी प्रतिबंध से तेल की कीमतें बढ़ेंगी: पुतिन ने आगे कहा कि रूसी तेल पर प्रतिबंध से सप्लाई कम होगी, जिससे तेल की कीमतें बढ़ेंगी। मैंने ट्रम्प से इस बारे में बात की थी। न सिर्फ रूस, बल्कि अमेरिका और पूरी दुनिया में तेल महंगा हो सकता है। वहीं, यूएस ट्रेजरी विभाग ने कहा कि रूस जंग रोकने को लेकर गंभीर नहीं है, इसलिए ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। इस फैसले से अमेरिका के अधिकार क्षेत्र में आने वाली इन कंपनियों की सभी संपत्ति और हितों को प्रभावी रूप से ब्लॉक कर दिया गया है। रोसनेफ्ट रूस की सरकारी कंपनी है, जो तेल की खोज, रिफाइनिंग और बिक्री में एक्सपर्ट है। लूकोइल एक निजी स्वामित्व वाली इंटरनेशनल कंपनी है, जो रूस और विदेश दोनों जगह तेल और गैस की खोज, रिफाइनिंग, मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन में काम करती है। इन दोनों कंपनियों की 50% या उससे ज्यादा की डायरेक्ट या इनडायरेक्ट हिस्सेदारी वाली 36 सहायक कंपनियों पर भी प्रतिबंध लागू किए गए हैं। अखबार द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, इन दो कंपनियों से रूस का आधा कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) निर्यात होता है। प्रतिबंधों के असर से वैश्विक तेल कीमतों में 5% की बढ़ोतरी हो सकती है। यूरोपीय संघ ने भी रूसी LNG गैस पर बैन लगाने का फैसला किया है। अमेरिकी ट्रेजरी ने 21 नवंबर 2025 तक का समय दिया है। इस अवधि में बाकी कंपनियों को रोसनेफ्ट और लूकोइल के साथ लेन-देन खत्म करने होंगे। अगर पालन नहीं किया गया, तो जुर्माना, ब्लैकलिस्टिंग या व्यापार प्रतिबंध लग सकते हैं।

रूसी तेल कंपनियों पर ट्रम्प के प्रतिबंध दुश्मनी भरे कदम, इससे संबंध बिगड़ेंगे

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक अमरदीप शर्मा के लिए जैमन प्रिंटर्स प्रा. लि. रोड नं. 14 पी विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर, 302013 से मुद्रित एवं एफ- 43 गोविंदम टावर ,करधनी कालवाड़ रोड जयपुर से प्रकाशित। प्रधान कार्यालय:- एफ- 43 गोविंदम टावर करधनी कालवाड़ रोड जयपुर 302012 (राज.) संपादक अमरदीप शर्मा । राजस्थान मीनू सेन प्रबंध संपादक सीकर मो: नंबर 8619639447